राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 01 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-163 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

-कैबिनेट की बैठक में किसानों और रेलवे से जुड़ी कई बड़ी घोषणाओं को मंजूरी

विकास निगम को दो हजार करोड़ की वित्तीय सहायता मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में किसानों और रेलवे से जुड़ी कई बड़ी घोषणाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुल छह अहम फैसलों को मंजूरी दी गई, इसका सीधा असर देश के किसानों, कोऑपरेटिव संस्थाओं और रेलवे नेटवर्क पर पड़ेगा। कैबिनेट ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को 2000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। मोदी सरकार की योजना से देश के 94 प्रतिशत किसान वर्ग को लाभ मिलेगा। इसके तहत 2025-26 से लेकर 2028-29 तक के लिए यह सहयोग जारी रहेगा। मोदी सरकार का लक्ष्य है कि इससे सहकारी संस्थाएं और अधिक मजबूत होकर किसानों की आय बढ़ाने में भूमिका निभाएं। मोदी सरकार ने पीएमकेएसवॉय के लिए कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है, जिसमें 1920 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत-1000 करोड़ रुपये से खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं और विकिरण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। 100 एनएबीएल मान्यता प्राप्त फूड टेस्टिंग लैब्स और 50 फूड इरिडेशन यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। अन्य घटक योजनाओं के लिए 920 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग सेक्टर का एक्सपोर्ट 11 वर्षों में दोगुना होकर 5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 11 बिलियन डॉलर पहुंच चुका है। मोदी कैबिनेट ने गुरुवार को इटारसी से नागपुर तक चौथी

रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। प्रोजेक्ट से इस महत्वपूर्ण रेल रूट की क्षमता और स्पीड दोनों बढ़ेगी।

वर्तमान में तीसरी लाइन पर काम चल रहा है, और अब चौथी लाइन का रास्ता भी साफ हो गया है।

इतना ही नहीं मोदी सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों में फैली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 574 किलोमीटर तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई दोनों को लाभ होगा।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी आरोपी निर्दोष बरी

पिछले 17 सालों में मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा- साध्वी प्रज्ञा सिंह

मुंबई (एजेंसी)। 17 वर्षों की अदालती कार्यवाही, सुनवाई, हजारों साक्ष्य और सैकड़ों गवाह, 29 सितंबर 2008 को मालेगांव शहर में हुए भीषण बम विस्फोट मामले पर आज कोर्ट का फैसला आ ही गया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया।

मालेगांव में अंजुमन चौक और भीकू चौक के बीच स्थित शकील गुड्स ट्रांसपोर्ट कंपनी के सामने यह विस्फोट हुआ था। विस्फोट रात 9.35 बजे हुआ। उसके बाद सनसनी फैल गई। इस बम विस्फोट में 6 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी। 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। अब 17 साल बाद इस मामले में फैसला आया है और कोर्ट ने सभी आरोपियों को निर्दोष बरी कर दिया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने भोपाल से पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह और कर्नल पुरोहित समेत सात आरोपियों को बरी कर दिया है।

मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा: साध्वी प्रज्ञा सिंह

पिछले 17 सालों में मुझे बहुत अपमान सहना पड़ा है, हमें अपने ही देश में आतंकवादी बना दिया गया। शायद मैं जीवित हूं क्योंकि मैं एक भिक्षु हूं, मैं हर दिन मर रही थी। मैं आज खुश हूं, कोई तो है जो मेरी आवाज सुन रहा है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा है कि आज हिंदुत्व और भगवा की जीत हुई है।

मालेगांव पुलिस अलर्ट मोड पर

मालेगांव एवं महाराष्ट्र पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरत रही है कि इस परिणाम से कोई तनाव पैदा न हो। इस परिणाम पर न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश की नजर थी। इस फैसले के मद्देनजर मालेगांव में कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। खबर है कि मालेगांव के हर चौक चौराहे पर पुलिस तैनात है।

सौदा होगा और पीएम मोदी बिल्कुल वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे...

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम और टैरिफ पर दिए गए बयान पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है। यह बात सभी जानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत है केवल पीएम मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी ने देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है...ट्रंप ने 30-32 बार बोल चुके हैं कि मैंने युद्धविराम कराया है...पीएम मोदी जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं? ट्रंप की मृत अर्थव्यवस्था वाली टिप्पणी पर राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी केवल एक व्यक्ति-अडानी के लिए काम करते हैं। यह सौदा होगा और पीएम मोदी बिल्कुल वही करेंगे जो ट्रंप कहेंगे...। आज भारत के सामने मुख्य मुद्दा यह है कि सरकार ने हमारी आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को नष्ट कर दिया है। वे इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। ट्रंप के अर्थव्यवस्था की बर्बादी वाले बयान पर, राहुल ने कहा कि विदेश मंत्री भाषण देते हैं और कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी है। एक तरफ अमेरिका आपको गाली दे रहा है, दूसरी तरफ चीन आपके पीछे पड़ा है। जब आप अपना प्रतिनिधिमंडल दुनिया में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। वे इस देश को कैसे चला रहे हैं? पूरी तरह से भ्रम की स्थिति है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपने भाषण में ट्रंप का नाम तक नहीं लिया, चीन का...जिस पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने पहलगाम हमला किया, राष्ट्रपति ट्रंप उसके साथ लंच कर रहे हैं, और वे कह रहे हैं कि हमें बड़ी सफलता मिली है।

देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाने का लक्ष्य

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर रहे नई योजना पर काम

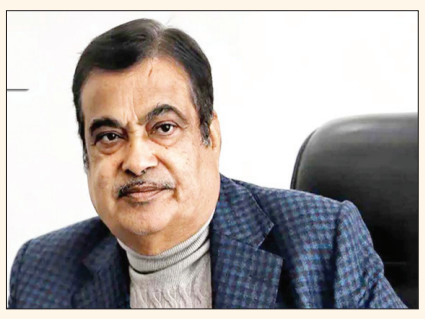

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार देश ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी लगातार नई योजना पर काम कर रहे हैं। ऐसे में अब गडकरी ने कहा कि भारत सरकार देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने 4.5 करोड़ रोजगार पैदा किए जाएंगे, जो देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। मीडिया रिपोर्ट में गडकरी के हवाले से कहा गया है भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का वर्तमान आकार 22 लाख करोड़ रुपए है और सरकार का लक्ष्य इस इंडस्ट्री को दुनिया में नंबर-वन बनाना है। वर्तमान में अमेरिकी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 78 लाख करोड़ का है, उसके बाद चीन का 47 लाख करोड़ रुपए और भारत का 22 लाख करोड़ रुपए का है। गडकरी ने कहा कि जब उन्होंने 2014 में परिवहन मंत्रालय का कार्यभार संभाला था, तब ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार 7.5 लाख करोड़ था। अब ये बढ़कर 22 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने अब तक 4.5 करोड़ रोजगार तैयार किए हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि यह ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ही है जो राज्य सरकारों और भारत सरकार को जीएसटी के रूप में सबसे ज्यादा राजस्व दे रहा है। संयोग से भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को देश का शीर्ष मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर है, जो सरकार के लिए राजस्व जुटाने के साथ-साथ रोजगार तैयार करने का भी एक प्रमुख स्रोत है।

जशपुर में सुबह-सुबह भूकंप के झटके, घबराकर घरों से बाहर निकले लोग

जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सुबह भूकंप के हल्के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। सुबह करीब 7 बजकर 31 मिनट पर महसूस किए गए झटकों से घरों में रखे बर्तन खनक उठे और दरवाजे-खिड़कियों में हलचल देखी गई। झटकों की अवधि लगभग 4 से 5 सेकंड की रही। भूकंप का अहसास होते ही बड़ी संख्या में लोग सतर्कता बरतते हुए अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद क्षेत्र में हलचल तो रही, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो गई। कई लोग एहतियातन थोड़ी देर तक खुले स्थानों पर ही ठहरे रहे। प्रशासन की ओर से भूकंप की तीव्रता या केंद्र को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बावजूद इसके, स्थानीय निवासी सतर्क हैं और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

शाह ने राज्यसभा में भरी हुंकार, पीओके कांग्रेस ने दिया... हमारी सरकार वापस लेकर आएगी

- देश में आतंकवाद कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के चलते

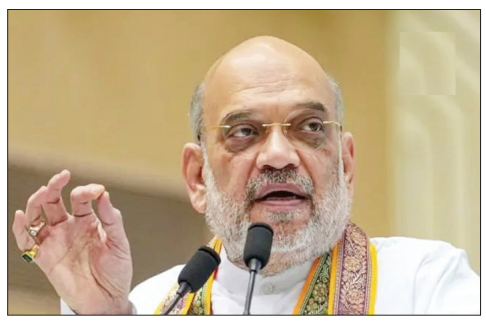

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) तथा आतंकवाद के मुद्दे पर जमकर निशाना साधा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) कांग्रेस की देन है और वापस लेने का काम भाजपा ही करेगी। उन्होंने देश में आतंकवाद के फैलने का बड़ा कारण कांग्रेस की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति को बताया। गृह मंत्री ने सुरक्षाबलों द्वारा पहलगाम में ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकियों को मार गिराने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर-हर महादेव केवल एक धार्मिक नारा नहीं, बल्कि सुरक्षाबलों का उद्घोष है, जो उनके साहस और संकल्प को दिखाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ संकल्प कश्मीर को आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त करना है। अमित शाह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में आर्तकियों के आकाओं को नष्ट किया गया, जबकि ऑपरेशन महादेव में पहलगाम में निर्दोषों की हत्या करने वाले आर्तकियों को खत्म किया गया।

शाह ने तीनों सेनाओं के शौर्य को सम्मान देकर बताया कि कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में सेना को पूर्ण कार्रवाई की छूट दी गई थी। उन्होंने बताया कि 7 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकाने शामिल थे।

गृह मंत्री शाह ने बताया कि 8 मई को पाकिस्तान द्वारा भारतीय रिहायशी इलाकों पर गोलीबारी और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल तथा ड्रोन हमलों का भी जिक्र किया। इसके जवाब में, 9 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आठ एयरबेस और एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और उसने भारत से हमले रोकने की मांग की। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य युद्ध नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई था। जब अमित शाह जवाब देने उठे, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में आकर जवाब देने की मांग की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री के संसद परिसर में मौजूद होने के बावजूद सदन में न आना सदन का अपमान है। विपक्ष के विरोध के कारण सदन में हंगामा हुआ और विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। अमित शाह ने सदन को सूचित किया कि प्रधानमंत्री अपने कार्यालय में मौजूद हैं।

निठारी कांड : पंढेर और कोली निर्दोष... आखिर उन 16 बच्चों की बेरहमी से हत्या किसने की

नई दिल्ली (एजेंसी)। निठारी कांड में मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को अदालतों ने अब तक अधिकांश मामलों में बरी कर दिया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अदालत के अनुसार, उनके खिलाफ बच्चों की हत्या का कोई ठोस सबूत नहीं मिल सका है। इसके बाद निठारी कांड का असली गुनहगार कौन है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है, और यही इस मामले की सबसे बड़ी विडंबना है।

दरअसल गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में फांसी की सजा सुनाई थी। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी और जांच में लापरवाही के चलते दोनों को बरी कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले को बरकरार रखते हुए दोनों को बरी कर दिया।

इस पूरे हत्याकांड में जांच की कई खामियां उजागर हुई है। इस मामले में फॉरेंसिक सबूतों की कमी साफ दिखाई दी। बच्चों की लाशों के टुकड़े मिलने के बावजूद, उनका डीएनए टेस्ट नहीं करवाया गया, जिससे यह साबित हो सके कि वे किन के बच्चे थे। इतना ही नहीं सुरेंद्र कोली के कबूलनामे का वीडियो कोर्ट में पेश नहीं किया गया, और उसके बयानों पर उसके हस्ताक्षर भी नहीं थे। पुलिस हिरासत में दिए गए बयानों को कानूनी रूप से मान्य करने के लिए ठोस सबूतों की आवश्यकता होती है। वहीं मामले में आरोपी बनाए गए सुरेंद्र कोली ने जिन जगहों पर लाशों के टुकड़े दबाने का दावा किया था, वहां खुदाई में कुछ भी नहीं मिला। देश की प्रमुख जांच एजेंसियां न हत्या के पीछे का कोई मकसद बता सकी और न ही कोई हत्या का हथियार बरामद हुआ।

अदालत ने इस पूरे मामले की जांच के दौरान

इस बात पर भी हैरानी जाहिर की कि अंगों की तस्करी के एंगल की कभी जांच नहीं की गई, जबकि पंढेर पहले से ही किडनी स्कैम में आरोपी था।

यदि पंढेर और कोली निर्दोष हैं, तब यह सवाल और भी गहरा हो जाता है कि आखिर उन 16 बच्चों की बेरहमी से हत्या किसने की थी। अदालती फैसलों से यह स्पष्ट है कि पुलिस और सीबीआई की जांच में गंभीर खामियां थीं, इसकारण कारण वास्तविक अपराधी का पता नहीं चल पाया। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ तौर पर कहा है कि यह संभावना है कि हत्याएं किसी और ने की हों और जांच एजेंसियों ने असली कातिल को छोड़ दिया हो। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में एक गरीब (सुरेंद्र कोली) पर जबरन आरोप मढ़ा गया है। यह पुलिस की शुरुआती जांच की लापरवाही को दिखाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और पीड़ितों के परिवारों की 14 याचिकाओं को खारिज किया है, जिससे फिलहाल पंढेर और कोली के खिलाफ सभी दरवाजे बंद हो गए हैं। यह मामला भारतीय न्याय प्रणाली में जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। निठारी कांड अभी भी एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है, और जब तक असली गुनहगार का पता नहीं चलता, तब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।

भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा, ट्रंप के 25प्र. टैरिफ पर बोले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई। उन्होंने नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल और हथियार खरीदने के फैसले का हवाला दिया। लोकसभा में बोलते हुए, गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने ट्रम्प के बयान पर ध्यान दिया है और वर्तमान में इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। सरकार ने कहा कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुँचने के लिए÷ बातचीत कर रहे हैं।

बता दें कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो कि 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। ये फैसला भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा कर सकते हैं। आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के चीन और रूस के साथ व्यापार करने पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि भारत हमारा दोस्त है, लेकिन उनके ऊंचे टैरिफ और रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीद ने उनकी नीतियों को लेकर चिंता है। खासकर तब जब दुनिया यूक्रेन में रूस की हिंसा रोकना चाहती है। इस आधार पर उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और एक एक्स्ट्रा पैनल्टी लगाने का ऐलान किया है।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगातार भारत और रूस को लेकर बयानबाजी भी सामने आ रही है। इसके साथ ही भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल डील को लेकर भी ऐलान किया जा रहा है। लेकिन अब अमेरिका ने भारत की कंपनियों पर बैन लगा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की महत्वपूर्ण बिक्री और खरीद के लिए छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

भारतीय महिला में डॉक्टरों ने खोजा... ऐसा ब्लड ग्रुप जो दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में डॉक्टरों ने एक ऐसा ब्लड ग्रुप खोजा है, जो अभी तक दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया था। डॉक्टर ने ब्लड ग्रुप को सीआरआईबी नाम दिया है। अभी तक दुनिया में इस ब्लड ग्रुप के 10 लोग ही सामने आए हैं। यह मामला तब सामने आया जब महिला को दिल की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला का ब्लड ग्रुप ओ आएच प्लस था, जो कि सबसे आम माना जाता है। लेकिन जब सर्जरी के लिए खून जुटाया गया, तब कोई भी ओ पॉजिटिव यूनिट महिला के शरीर से मेल नहीं खा रही थी। इसके बाद जांच के लिए सैंपल को बेंगलुरु के रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर की एडवांस्ड लैब में भेजा गया। टीम ने महिला के 20 परिजनों के ब्लड सैंपल भी जांचे, लेकिन कोई मेल नहीं मिला। डॉ. अंकित माथुर ने बताया कि हमारे द्वारा एडवांस टेस्टिंग की, जिसमें सामने आया कि मरीज का खून हर सैंपल से पैन-रिएक्टिव था, यानी किसी भी खून से मेल नहीं खा रहा था। हमें शक हुआ कि यह कोई नया या बहुत दुर्लभ ब्लड ग्रुप हो सकता है। इसके बाद महिला और उसके परिवार के ब्लड सैंपल इंटरनेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेंस लैब, ब्रिस्टल, यूके भेजे गए। 10 महीने की रिसर्च और जेनेटिक टेस्टिंग के बाद आखिरकार वैज्ञानिकों ने महिला में एक बिल्कुल नया ब्लड ग्रुप एंटीजन खोज निकाला।

एक जवाब ऐसा भी... ट्रंप को क्यों बैचैन कर रही पीएम मोदी की खामोशी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गांधी जी का सूक्ति वाक्य है बोलो तभी जब वो मौन से बेहतर हो। कई बार बड़बोलेपन में इंसान जो नहीं जरूरी हो वो भी कह जाता है। वहीं खामोशी को सबसे तेज आवाज भी माना जाता है और डिप्लोमैसी में इसका असर भी जोरदार रहता है।

2 अप्रैल को ट्रंप अपने साथ एक बड़ा सा चार्ट लेकर आए थे, जिसमें अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ की दरें लिखी हुई थी। ट्रंप ने कहा था कि 90 दिन की मोहलत दे रहा हूं। जिन्हें अमेरिका के साथ धंधा करना है वो आकर मुझसे बात कर लें नहीं तो चार्ट के मुताबिक रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दूंगा। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जैसे को तैसा वाला टैक्स। ट्रंप का तर्क है कि दुनिया के कई देश अमेरिका पर मनचाहे ढंग से टैरिफ लगाते हैं और अमेरिका चुपचाप उनके साथ व्यापार करता रहता है। ऐसे में उन्हें नुकसान सहना पड़ता है। हिंदुस्तान के साथ भी ऐसा ही है। अमेरिका के साथ व्यापार में भारत का ट्रेड सरपल्स रहा है और ट्रंप इसे खत्म करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने एक दफे भारत को टैरिफ किंग कहकर भी संबोधित किया था। पहले टैरिफ की डेडलाइन 9 जुलाई तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 1 अगस्त कर दिया गया। 2 अप्रैल को जो चार्ज दिखाया गया था, उसके मुताबिक कोई समझौता न होने की सूरत में भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। समझौते को लेकर दोनों पक्ष कर रहे थे कि डील लगभग फाइनल हो चुकी है और बस ऐलान बाकी है। लेकिन इससे ठीक पहले ही ट्रंप ने एक ऐसा ऐलान कर दिया जिससे भारत को झटका लगा। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कह दी। इसके बाद ट्रंप इतने भर में नहीं रुके भारत की तरफ से फौरन कोई प्रतिक्रिया ना आता देख ट्रंप ने कुछ ही घंटों बाद एक और पोस्ट किया और भारत के साथ साथ रूस को निशाने पर लेते हुए दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी करार दिया।

ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ लगाने और भारत की अर्थव्यवस्था को रूस के साथ जोड़कर एक 'डेड इकोनॉमी' बताने को लेकर विपक्ष लोकसभा में जमकर बरसा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक डेड इकोनॉमी (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। वहीं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। कसभा में बोलते हुए,

गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले के प्रभावों की जांच कर रही है। भारत में विपक्षी दलों की ओर से अतिरिक?त टैरिफ को लेकर सरकार से जवाब भी मांगा गया. इन सबके बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में रेबीज बीमारी से ग्रस्त आवारा कुत्तों के काटने से बच्चे व बुजुर्ग शिकार हो रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट ने स्वतःसंज्ञान लिया

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

भारत क़े करीब-करीब हर राज्य क़े हर शहरी क्षेत्र क़े हर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के हर गांव में अगर हम देखेंगे तो हमेंआवारा या लावारिस कुत्ते कहीं काम कहीं अधिक संख्या में जरूर दिखेंगे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि इससे शायद किसी नागरिक को कोई आक्षेप नहीं होगा। परंतु इन आवारा कुत्तों द्वारा जब नागरिकों की बस्ती में आतंक फैलाना, पैदल चलने वालों को काटना, गाड़ी वालों के पीछे दौड़कर काटने की कोशिश करना जैसी गतिविधियां होती है तो इससे रेबीज नामक बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है, वह भी अक्सर यह घटनाएं बच्चों में बुजुर्गों के साथ अधिक हो रही है, जो रेखांकित करने वाली बात है। यदि इस तरह की घटनाएं हो रही हो तो इसके लिए भारतीय कानून में इन पशुओ जानवरों की रक्षा वह नियंत्रण के अनेकों कानून बने हुए हैं जैसे पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001, भारतीय न्याय संहिता (नया आईपीसी) की धारा 325,326, पशु कल्याण बोर्ड इत्यादि अनेक अधिनियम नियम व वैधानिक निकाय हैं परंतु विशेषकर कुत्तों पर नियंत्रण के लिए स्थानीय निकायों जैसे नगरपरिषद नगरपालिका नगरनिगम महानगरपालिका इत्यादि जवाबदार हैं, इन्हें अब जागना जरूरी है। इस विषय पर आज हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सोमवार दिनांक 28 जुलाई 2025 को माननीय सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने भारत के पेपर टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी एक खबर जिसमें बताया गया था कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में 30 जून 2025 को एक 6 वर्ष की बेटी को रेबीज बीमारी से ग्रस्त कुत्ते द्वारा काटा गया, और इलाज के दौरान 26 जुलाई 2025 को उसकी मृत्यु हो गई इस खबर को पेपर में पड़कर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने इसपर स्वतः संज्ञान लेकर, एक याचिका दाखिल कर, मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश करने का आदेश जारी किया है, जिसकी चर्चा विस्तार से हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पूरे भारत की स्थानीय निकायों जैसे नगरपरिषद नगर पालिका नगरनिगम महानगर पालिका इत्यादि को पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001 का सख़्ती से पालन करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्सीय बेंच द्वारा एक प्रसिद्ध न्यूज़पेपर में कुत्ते क़े काटने पर 6 वर्ष की बालिका की मृत्यु का स्वतःसंज्ञान के इस आदेश को विस्तार से जानने की करें तो, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अखबार में प्रकाशितसमाचार आवारा कुत्तों से त्रस्त शहर,बच्चे भुगत रहे कीमत पर स्वतःसंज्ञान लिया है। अदालत ने एक रिट याचिका दर्ज की है, जिसमें यह संज्ञान लिया गया है कि किस प्रकार नवजात शिशु, बच्चे और बुजुर्ग अवैक्सीनेटेड (टीकाकरण रहित) आवारा कुत्तों के काटने के कारण रेबीज जैसी घातकबीमारी का शिकार हो रहे हैं। बेंच ने खबर पर संज्ञान लेते हुए आदेश जारी करते हुए कहा कि सप्ताह की शुरुआत हो चुकी है और हमें सबसे पहले इस बेहद चिंताजनक और खतरनाक समाचार का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए, जो आज के टाइम्स ऑफ इंडिया के दिल्ली संस्करण में 'सिटी होउंडेड बाय स्ट्रास एंड किड्स पे प्राइस' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। समाचार में कुछ चौंकाने वाले और परेशान करने वाले आंकड़े और तथ्य शामिल हैं। हर दिन, शहरों और बाहरी इलाकों में सैकड़ों कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे रेबीज फैल रहा है और अंततः नवजात शिशु, बच्चे और बुजुर्ग इस भयानक बीमारी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा रजिस्ट्री इस याचिका को स्वतः प्रेरित याचिका के रूप में दर्ज करे। यह आदेश और समाचार रिपोर्ट माननीय मुख्य न्यायाधीश के समक्ष उपयुक्त आदेशों के लिए प्रस्तुत की जाए। इस गंभीर स्थिति का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है, जिनकी रेबीज से मौतें हो रही हैं। बेंच ने इन मौतों को डरावना और परेशान करने वाला बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्रर को निर्देश दिया है कि इस पूरे मामले को एक स्वतःसंज्ञान याचिका के रूप में पंजीकृत किया जाए। साथ ही, संबंधित आदेश और समाचार रिपोर्ट को भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

साथियों बात अगर हम इस रेबीज नामक बीमारी की करें तो, बता दें कि रेबीज एक गंभीर वायरल बीमारी है, जो आमतौर पर संक्रमित जानवरों की लार से इंसानों में फैलती है। दुनियाँ भर में रेबीज के अधिकांश मानवीय मामलों के लिए संक्रमित कुत्ते जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, चमगादड़, लोमड़ी, रैकून, कोयोट और स्कंक जैसे जंगली जानवर भी रेबीज फैला सकते हैं। रेबीज के लक्षण आमतौर पर काटने के 2-3 महीने बाद दिखाई देते हैं, लेकिन यह 1 सप्ताह से 1 वर्ष या उससे भी अधिक समय तक भिन्न हो सकता है। शुरुआती लक्षण फ्लू जैसे हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं- बुखार, सिरदर्द दर्द।

साथियों बातअगर हम स्वतःसंज्ञान के इस आदेश को गहराई से समझने की करें तो,आए दिन देश में आवारा कुत्तों के आतंक की खबरें देखने और सुनने को मिलती हैं। आवारा कुत्तों का सबसे ज्यादा शिकार बुजुर्ग और बच्चे हो रहे हैं। कई लोगों की मौत भी हो चुकी है, बल्कि रेबीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसी घटनाओं को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों के आतंक को कम करने के लिए खाना स्कीम शुरु की है। अब आवारा कुत्तों के मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वतः संज्ञान लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों के हमलों ने लोगों की नींद उड़ा दी है। एक रिपोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान खींचा। इस खबर में बताया गया कि शहरों और बाहरी इलाकों में हर दिन सैकड़ों लोग आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं। इन हमलों से रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी फैल रही है, जिसका सबसे ज्यादा खतरा मासूम बच्चे और बुजुर्ग हो रहे हैं। इस मुद्दे को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले को उठाया।बेंच ने इस खबर को 'बेहद परेशान करने वाला' बताया। जस्टिस ने कहा कि यह खबर बहुत डरावनी है। हर दिन सैकड़ों लोग कुत्तों के काटने से पीड़ित हैं। रेबीज की वजह से छोटे बच्चे और बुजुर्ग अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने एक दुखद घटना का जिक्र किया, जिसमें दिल्ली के रोहिणी इलाके में 30 जून को एक 6 साल की बच्ची को एक रेबीज बीमारी से ग्रस्त कुत्ते ने काट लिया। इलाज के बावजूद बच्ची की 26 जुलाई को उसकी मृत्यु हो गई।

डॉक्टरों ने शुरू में उसकी बिगड़ती हालत को सामान्य बुखार समझा, जिससे सही समय पर इलाज नहीं हो सका। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया। यह कदम तब उठाया गया, जब कोर्ट ने देखा कि नगर निगम और प्रशासन आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके टीकाकरण में नाकाम रहे हैं।यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ध्यान दिया है। बता दें 15 जुलाई 2025 की बेंच ने भी आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की जगहों को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट का कहना है कि जानवरों के प्रति दया और लोगों की सुरक्षा में संतुलन जरूरी है। अब उम्मीद है कि इस मामले में जल्द सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि मासूम बच्चों और बुजुर्गों की जान बचाई जा सके।भारतीय दंड संहिता की धारा 428 में 10 रूपए से कम मूल्य के पशु को मारना या अपंग करना शामिल था, जबकि धारा 429 में 50 रूपए या उससे अधिक मूल्य के पशु को मारना या अपंग करना शामिल था।भारतीय न्याय संहिता में, इन अपराधों को अब धारा 325 और 326 में शामिल किया गया है, जो पशुओं को नुकसान पहुंचाने से संबंधित हैं, लेकिन अब मूल्य सीमा का उल्लेख नहीं है, बल्कि सभी प्रकार के पशुओं को शामिल किया गया है।

साथियों बात अगर हम 22 जुलाई 2025 को संसद में इससे संबंधित एक सवाल का जवाब देने की करें तो केंद्रीय मंत्री द्वारा 22 जुलाई को संसद में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष कुत्ते के काटने के कुल मामलों की संख्या 37,17,336 थी, जबकि संदेहास्पद मानव रेबीज मौतें 54 थीं।उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी नगर पालिकाओं की है तथा वे उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम लागू कर रहे हैं।उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 को अधिसूचित किया है,जो आवारा कुत्तों के बधियाकरण और एंटी-रेबीज टीकाकरण पर केंद्रित कदमों के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने नवंबर 2024 में राज्यों को एक परामर्श जारी किया था, जिसमें उनसे स्थानीय निकायों के माध्यम से एबीसी कार्यक्रम और संबंधित गतिविधियों को लागू करने के लिए कहा गया था, ताकि आवारा कुत्तों के हमलों से बच्चों, विशेष रूप से छोटे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत में रेबीज बीमारी से ग्रस्त आवारा कुत्तों के काटने से बच्चे व बुजुर्ग शिकार हो रहे हैं-सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 2025 को स्वतःसंज्ञान लिया 6 वर्ष की बच्ची को रेबीज बीमारी ग्रस्त कुत्ते ने काटा- न्यूज़पेपर में खबर को पढ़कर सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्वतः संज्ञान लिया-याचिका दाखिल होगीपूरे भारत की स्थानीय निकायों (नगरपरिषद,नगरपालिका नगर निगम महानगर पालिका)को पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001 का सख़्ती से पालन करना समय की मांग।

संपादकीय

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं।

वर्ल्ड वाइड वेबः सीमाओं के पार सूचना की स्वतंत्र उड़ान

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(वर्ल्ड वाइड वेब दिवस (1 अगस्त) पर विशेष)

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र **WWW** (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई?

वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही '**WWW**' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी।

दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर '**WWW**' की शुरूआत 1991 में हुई। टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में है।

वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे? आपकी इसी मुश्किल को आसान करता है इंटरनेट सर्च इंजन। इंटरनेट पर कुछ भी खोजते समय इंटरनेट सर्च इंजन ही आपकी मदद करता है। जिस भी विषय के बारे में आप जानकारी चाहते हैं, इंटरनेट सर्च इंजन के टूल बार में उसका नाम टाइप करने के बाद एक क्लिक करते ही यह उस विषय से संबंधित ढ़ेरों पेज आपके सामने खुल जाते हैं और इस तरह आप अपनी जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं।

दरअसल सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रोग्राम्स के तहत कार्य करता है और इंटरनेट पर उपलब्ध सभी वेबसाइटों के लाखों-करोड़ों पृष्ठों को अपने अंदर समेटे रहता है। यही नहीं, इन पृष्ठों की संख्या में आए दिन वृद्धि होती जाती है। यह वेब आधारित एक ऐसी विशेष साइट है, जिसकी सहायता से आप किसी भी विषय पर एकत्रित की गई सूचनाओं तक आसानी से पहुंच सकते हैं। जब भी आप सर्च इंजन में कोई शब्द या वाक्य टाइप कर उससे संबंधित जानकारी चाहते हैं तो सर्च इंजन उस शब्द या वाक्य से संबंधित पृष्ठों की एक विस्तृत सूची बनाकर आपके सामने लाकर रख देता है, जिसमें से आप अपनी जरूरत की जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। 'गूगल', 'याहू', 'खोज' इत्यादि कुछ ऐसे सर्च इंजन हैं, जो आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं और प्रतिदिन लाखों-करोड़ों बार हिट किए जाते हैं।

यदि आप किसी खास विषय से संबंधित जानकारी पाना चाहते हैं तो अपनी खोज को विशेष बनाने के लिए टाइप किए जाने वाले शब्दों के साथ + , - इ इत्यादि चिन्हों का प्रयोग कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि आप चाहते हैं कि आप द्वारा खोजे जा रहे वेबपज पर इंदिरा और राजीव दोनों का ही नाम हो तो आप सर्च इंजन के टूल बार में इंदिरा+राजीव टाइप करके एंटर कर दें, आप द्वारा चाही गई जानकारी कुछ ही पलों में आपके सामने होगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

विचार मंथन

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

(लेखक - ललित गर्ग)

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है।

आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीआईसीआई बैंक आज से लेगा यूपीआई ट्रांजैक्शन शुल्क....पेमेंट एग्रीगेटर्स से

मुंबई। अगर आप यूपीआई पेमेंट करते हैं, तब खबर आपके लिए अहम है। देश के प्रमुख निजी बैंकों में शामिल आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त 2025 से यूपीआई ट्रांजैक्शन पर नया शुल्क लागू करने का फैसला किया है। यह चार्ज सीधे ग्राहकों पर नहीं, बल्कि पेमेंट एग्रीगेटर्स पर लगेगा। लेकिन इसका असर डिजिटल लेनदेन की लागत पर पड़ सकता है। आईसीआईसीआई से पहले येस और एक्सिस बैंक ने भी पेमेंट एग्रीगेटर्स से इसतरह के चार्ज लेना शुरू कर दिया था और अब आईसीआईसीआई बैंक भी इस सूची में शामिल है। आईसीआईसीआई बैंक ने फैसला किया है कि वह पेमेंट एग्रीगेटर्स से हर यूपीआई ट्रांजेक्शन पर 2 बेसिस प्वाइंट यानी 0.02 फीसदी का चार्ज लेगा। इसका मतलब है कि अगर कोई ट्रांजैक्शन 10,000 रुपए का है, तब उस पर 2 रुपए का चार्ज लगेगा लेकिन इस चार्ज की अधिकतम सीमा 6 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन रखी गई है। यह चार्ज उन पेमेंट एग्रीगेटर्स पर लागू होगा जिनका आईसीआईसीआई बैंक में एस्क्रो अकाउंट है। अगर किसी पेमेंट एग्रीगेटर का आईसीआईसीआई बैंक में एस्क्रो अकाउंट नहीं है, तब उससे 4 बेसिस प्वाइंट यानी 0.04 फीसदी चार्ज लिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 10 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन होगी। इसका मतलब है कि 10,000 रुपए के ट्रांजैक्शन पर 4 रुपए चार्ज बनेगा लेकिन इससे ज्यादा कभी नहीं होगा। दरअसल पेमेंट एग्रीगेटर्स वे कंपनियां हैं जो ऑनलाइन व्यापारियों को ग्राहकों से पेमेंट लेने में मदद करती हैं। जैसे, अगर आप किसी दुकान या ऑनलाइन स्टोर पर यूपीआई से पेमेंट करते हैं, तब पेमेंट एग्रीगेटर उस पेमेंट को प्रोसेस करता है और व्यापारी के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करता है। आईसीआईसीआई बैंक का यह चार्ज सिर्फ उन ट्रांजेक्शन पर लागू होगा जो आईसीआईसीआई बैंक के मर्चेंट अकाउंट में सीधे सेटल नहीं होते।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 8765 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से 14 पैसे बढ़कर 87.66 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया, जो 89 पैसे गिरकर तीन वर्षों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज कर रहा था, कुछ हद तक वापस आ गया है, लेकिन नकारात्मक रुझान के साथ कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सुबह 87.66 पर खुला, फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.74 के निचले स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। । इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ ही 98.77 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 72.59 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

आज से एक्सप्रेस-वे पर यात्रा करना होगा महंगा, टोल दरों की सूची जारी

नई दिल्ली। शुक्रवार यानी 1 अगस्त से 91 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर यात्रा करना महंगा हो जाएगा क्योंकि अब यात्रियों को टोल टैक्स देना होगा। यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इसकी घोषणा कर दी है और टोल दरों की सूची भी जारी कर दी है। 1 अगस्त से एक्सप्रेसवे पर चलने वाली सभी गाड़ियों को टोल देना होगा। यह टैक्स एक तरफ के सफर के लिए तय किया है। यहां दरों की पूरी जानकारी दी गई है। दोपहिया गाड़ियां के लिए 140, कार, जीप और वैन को 285, हल्की कमर्शियल गाड़ियां के लिए 440, बस और ट्रक 840, भारी वाहन जैसे निर्माण में काम आने वाले मशीनों पर 1335, सबसे बड़े वाहन पर 1745 रुपए टोल टैक्स देना होगा। यूपीईआईडीए ने यात्रियों के लिए कुछ छूटों का भी ऐलान किया है जिसमें अगर कोई गाड़ी उसी दिन यानी 24 घंटे में वापसी करता है तो उसे पूरा टोल नहीं देना होगा। ऐसे में 60 फीसदी की छूट मिलेगी जैसे अगर एक तरफ का टोल 100 रुपए है तो दोनों तरफ का कुल 160 देना होगा। जो लोग महीने में 20 बार या उससे ज्यादा बार इस एक्सप्रेसवे पर यात्रा करते हैं उन्हें कुल टोल राशि पर 20 फीसदी की छूट दी जाएगी। यानी उन्हें तय दर का केवल 80 फीसदी ही भुगतान करना होगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे ने गोरखपुर और आजमगढ़ के आसपास के इलाकों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके अलावा लखनऊ जाने वाले यात्रियों को भी इस एक्सप्रेसवे से काफी राहत मिली है जिससे यात्रा का समय कम हो गया है।

खाते में बैलेंस नहीं रखने पर बैंकों ने ग्राहकों से वसूले 8,933 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

पिछले पांच सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्राहकों से करीब 8,933 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला। यह जुर्माना खातों में न्यूनतम औसत बैलेंस नहीं रखने में के एवज में वसूला गया। यह जानकारी केंद्र सरकार ने संसद में साझा की है। भारतीय स्टेट बैंक तो मार्च 2020 से ही ये जुर्माना नहीं ले रहा है लेकिन बाकी कई बड़े सरकारी बैंक फाइन लगा रहे हैं। इन बैंकों में इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तक शामिल रहे हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी हाल ही में यह चार्ज माफ कर दिया है। बैंकों का कहना है कि ये कदम ग्राहकों को राहत देने और हर किसी के लिए बैंकिंग सेवाओं को समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए हैं। 2020-21 से लेकर 2024-25 की अवधि में बैंकों ने यह जुर्माना वसूला। शुरुआती 2020-21 में 1,142 करोड़ वसूले गए थे, जो 2023-24 में बढ़कर 2,331 करोड़ हो गए। वहीं 2024-25 में इसमें थोड़ी गिरावट आई और यह 2,175 करोड़ रहा। सबसे अधिक जुर्माना वसूलने वाले बैंकों में इंडियन बैंक 1,828.18, पंजाब नेशनल बैंक 1,662.42, बैंक ऑफ बड़ौदा 1,531.62, केनरा बैंक 1,212.92, बैंक ऑफ इंडिया 809.66, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 585.36, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 535.20, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 484.75, यूको बैंक 119.91, पंजाब एंड सिंध बैंक 100.92, इंडियन ओवरसीज बैंक 62.04 करोड़ का जुर्माना वसूला। सरकार ने बैंकों को सुझाव दिया है कि वे ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के ग्राहकों को इस शुल्क से राहत दें या इसे पूरी तरह समाप्त करें। इसका उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को अधिक समावेशी और सुलभ बनाना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ और रूस के साथ व्यापार के लिए अलग से पेनल्टी लगाने के फैसले के कारण पड़े दबाव से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 296.25 अंक नीचे आकर 81,185.58 और 50 शेयरों पर अधारित एनएन निफ्टी 86.70 अंक की गिरावट के साथ ही 24,768.35 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा। इंडिया विक्स 2.94 फीसदी बढ़कर 11.54 पर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 541.70 अंक या 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 57,400.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 190 अंक करीब 1.05 फीसदी की कमजोरी के साथ 17,966.85 पर था। मेटल, फार्मा ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और रियल्टी के शेयर भी नीचे आये हालांकि एफएमसीजी, डिफेंस और मीडिया इंडेक्स में तेजी रही। गुरुवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 7 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 14 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 36 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 3.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी तरफ, आज टाटा स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 2.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.40 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.96 फीसदी, पावरग्रिड 0.64 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.10 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.10 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.09 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, गुरुवार को सनफार्मा में शेयरों में 1.69 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.50 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.39 फीसदी, एनटीपीसी 1.37 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.04 फीसदी, भारती एयरटेल 0.93 फीसदी, टाइटन 0.89 फीसदी, बीईएल 0.88 फीसदी, एलएंडटी 0.80 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार सुबह सेंसेक्स 683 अंक नीचे आकर 80,798 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 209 अंक टूटकर 24,675 पर खुला। वहीं सभी क्षेत्रों में आज गिरावट रही।

सुबह निफ्टी ऑटो में 0.99 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में 0.66 फीसदी और 0.52 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑयल एंड गैस सेक्टर्स में भी 1-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। ब्रॉडर मार्केट की बात करें तो निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 आज 0.75फीसदी और 0.46फीसदी तक गिरा।

बड़ी कंपनियां 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

कई बड़ी कंपनियां दिवाली 2025 तक 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जो डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में जबरदस्त होंगी। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय बोलेरो नियो का फेसलिफ्ट वर्जन 15 अगस्त 2025 को लॉन्च करेगी। यह एसयूवी कंपनी के नए फ्रीडम एनयू प्लेटफॉर्म पर तैयार होगी। इसमें गोल हेडलैम्प, नया बंपर और रिफ्रेश इंटीरियर देखने को मिलेगा। हालांकि इंजन में कोई बदलाव नहीं होगा। मारुति अपनी नई मिडसाइज एसयूवी इस्कूडो को लॉन्च करने वाली है, जो ग्रैंड विटारा पर आधारित होगी लेकिन ज्यादा किफायती होगी। यह एसयूवी सिर्फ अरेना डीलरशिप पर मिलेगी और इसमें पेट्रोल, सीएनजी और हाइब्रिड इंजन विकल्प दिए जा सकते हैं। हुंडई अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन इस साल लाएगी। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन और एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिल सकते हैं। एक्सटीरियर और इंटीरियर में बड़ा बदलाव होगा। टाटा अक्टूबर 2025 में पंच और पंच ईवी का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करेगी। नए आईसीई वर्जन में पंच ईवी जैसे डिजाइन एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे। इंटीरियर में बड़ा डिजिटल डिस्प्ले और नया डैशबोर्ड लेआउट मिलेगा। टाटा सिएरा दिवाली 2025 के आसपास दमदार वापसी करेगी। शुरुआत में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ लॉन्च होगी और बाद में इसका टर्बो वर्जन और इलेक्ट्रिक मॉडल भी आएगा। डिजाइन और फीचर्स के मामले में यह प्रीमियम एसयूवी होगी। बता दें कि भारतीय ऑटो बाजार में एसयूवी की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। मौजूदा समय में देश में बिकने वाली हर दूसरी कार एसयूवी है। अगर आप भी इस दिवाली से पहले एक नई एसयूवी खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए कई शानदार विकल्प आने वाले हैं।

टीसीएस से छंटनी बीच इंफोसिस ने दी 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्ति करने की राहत भरी खबर

मुंबई।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस ने वर्तमान में समय में राहत भरी खबर दी है जब प्रतिस्पर्धी कंपनियों में छंटनी कर रही है। तब इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने कहा है कि कंपनी इस साल करीब 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्ति देने की योजना बना रही है। यह बयान तब आया है जब टीसीएस द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की खबर सामने आई है।

पारेख ने बताया, ÷हमने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 17,000 से अधिक लोगों को नियुक्त किया है। अब हम पूरे वर्ष में करीब 20,000 कॉलेज से निकले युवाओं को हायर करने की योजना बना रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि इंफोसिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भारी निवेश कर रही है और कर्मचारियों को नए स्किल्स सिखा रही है। अब तक कंपनी ने करीब 2.75 लाख कर्मचारियों को एआई और टेक्नोलॉजी में ट्रेनिंग दी है।

वहीं टीसीएस ने हाल ही में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की पुष्टि की है, जो कि भारत के आईटी सेक्टर की अब तक की सबसे बड़ी छंटनी में से एक है। नैसकॉम ने भी संकेत दिया है कि भविष्य में आईटी सेक्टर में कुछ और कटौती देखने को मिल सकती है, क्योंकि कंपनियां अब ऑटोमेशन और प्रोडक्टिविटी बढ़ाने पर ज्यादा जोर दे रही हैं।

एआई के प्रभाव पर पारेख ने बताया कि कोडिंग और सॉफ्टवेयर निर्माण में एआई के उपयोग से 5 से 15 प्रतिशत तक अधिक आउटपुट मिल रहा है। ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में इसका असर और भी अधिक है। हालांकि

उन्होंने यह भी माना कि जटिल समस्याओं को हल करने में इंसानी अनुभव और समझ अब भी अहम है। पारेख ने बताया कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि अगली सैलरी वृद्धि पर जल्द ही विचार किया जाएगा और उचित समय पर इसकी घोषणा की जाएगी।

बजाज ऑटो की कुल बिक्री में 17.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली । जून 2025 का महीना बजाज ऑटो कंपनी के लिए मिला-जुला रहा। कंपनी की जहां कुल बिक्री में 17.16 प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई, वहीं कुछ खास मॉडल्स ने राहत दी है। जून महीने में कुल 1,39,964 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो मई 2025 की तुलना में भी काफी कम रही। यानी महीने-दर-महीने और साल-दर-साल दोनों ही आधारों पर गिरावट देखी गई। ब्रांड के सबसे पॉपुलर मॉडल पल्सर की कुल बिक्री 88,452 यूनिट्स रही, जो कि पिछले साल की तुलना में 20.39 प्रतिशत कम है। फिर भी यह कंपनी की कुल बिक्री का 63.20प्रतिशत हिस्सा लेकर सबसे बड़ा योगदान देने वाला मॉडल रहा। खास बात यह रही कि पल्सर 200सीसी ने 17,521 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22.47प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की, जो इस सीरीज में इकलौता ग्रोथ करने वाला मॉडल रहा। दूसरी ओर, पल्सर 200सीसी की बिक्री में 21.93प्रतिशत की गिरावट आई। एन 150 की डिमांड इतनी कम रही कि कंपनी ने इसे अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। प्लेटिना, जो कभी बजाज की हिट बाइक थी, अब बिक्री के मामले में पिछड़ती नजर आ रही है। जून में इसकी 25,662 यूनिट्स बिकीं, जिसमें 22.47प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सीटी सीरीज की हालत और खराब रही, जिसकी बिक्री 3,792 यूनिट्स पर सिमट गई और इसमें 36.04प्रतिशत की गिरावट आई।

ईपीएफओ की उच्च पेंशन योजना को लेकर लाखों कर्मचारियों को झटका, केंद्र ने 11 लाख से अधिक आवेदन खारिज किए

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की उच्च पेंशन योजना को लेकर लाखों कर्मचारियों को तगड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने बताया कि कुल 15.24 लाख उच्च पेंशन आवेदनों में से 11 लाख से अधिक को खारिज किया गया है। केवल 4 लाख आवेदनों को ही स्वीकृति मिल पाई है, जबकि करीब 21,995 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं।

राज्यसभा में श्रम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बताया कि कुल आवेदनों में से 98.5 प्रतिशत मामलों की जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन इसमें से ज़्यादातर को मंजूरी नहीं मिल सकी।

सबसे ज़्यादा आवेदन चेन्नई और पुडुचेरी क्षेत्र से खारिज किए गए, जिनकी संख्या 63,026 रही। मोदी सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि इतनी बड़ी संख्या में आवेदन किस कारण से खारिज किए गए, और न ही यह बताया गया है कि बाक़ी बचे आवेदनों की प्रक्रिया कब तक पूरी की जाएगी।

बात दें कि उच्च पेंशन को लेकर कर्मचारियों की उम्मीदें तब जगी थीं, जब सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर 2022 को फैसला सुनाया था। इस फैसले में कहा गया था कि वे कर्मचारी जो 1 सितंबर 2014 से पहले ईपीएफ स्कीम में शामिल हुए और अब भी नौकरी में हैं या रिटायर हो चुके हैं, वे अपनी पूरी सैलरी के आधार पर पेंशन पाने का विकल्प चुन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईपीएफओ ने 26 फरवरी 2023 को उच्च पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की। अंतिम तिथि को पहले 3 मई और फिर बढ़ाकर 26 जून 2023 तक किया गया था। नियोक्ताओं को भी अपने कर्मचारियों की सैलरी डिटेल्स अपलोड करने का मौक़ा दिया गया था।

इतनी बड़ी संख्या में आवेदनों के खारिज होने से यह स्पष्ट है कि या तो प्रक्रिया की जानकारी स्पष्ट नहीं थी, या फिर दस्तावेज़ और डेटा अपलोड करने में व्यापक त्रुटियां रहीं। इससे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बीच असंतोष गहराने की आशंका है।

कौन है इस योजना का पात्र?

उच्च पेंशन योजना उन्हीं कर्मचारियों के लिए है जो- 1 सितंबर 2014 से पहले ईपीएफ स्कीम में शामिल हुए हों, वर्तमान में नौकरी में हों या रिटायर हो चुके हों, जिन्होंने ईपीएस में अपनी पूरी सैलरी के आधार पर योगदान दिया हो या देने की इच्छा जताई हो। इस स्कीम के तहत पेंशन की गणना कर्मचारी की कुल सेवा अवधि और योगदान की राशि के आधार पर की जाती है, जिससे उन्हें सामान्य ईपीएस पेंशन से कहीं अधिक लाभ मिल सकता है।

ईपीएस-95 यानी एम्प्लॉयी पेंशन स्कीम 1995, ईपीएफओ की वह योजना है जिसके तहत संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन दी जाती है। अब तक पेंशन 15,000 रुपए की अधिकतम सैलरी सीमा पर आधारित थी, जिस पर वर्षों से विवाद चल रहा था।

भारत का चीनी उत्पादन जुलाई में 18.38 से घटकर 2.58 करोड़ टन हुआ

यह गिरावट गन्ने की कमी, कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ लिमिटेड (एनएफसीएसएफएल) ने कहा है कि चालू सत्र में जुलाई तक भारत का चीनी उत्पादन 18.38 फीसदी से घटकर दो करोड़ 58.2 लाख टन रहा। ऐसा प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम उत्पादन के कारण हुआ है। संस्था को उम्मीद है कि पूरे सत्र में कुल उत्पादन दो करोड़ 61.1 लाख टन तक पहुंच जाएगा, जो 2023-24 में उत्पादित 3.19 करोड़ टन से काफी कम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक और तमिलनाडु में जून से सितंबर तक चलने वाले विशेष पेराई कार्य चल रहे हैं और कुल उत्पादन में कुछ और टन बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक में पिछले साल के एक मिल की तुलना में सात मिलें चल रही हैं, जबकि तमिलनाडु में पिछले साल के 11 मिलों की तुलना में नौ मिलचालू हैं। एनएफसीएसएफएल के मुताबिक भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य, यूपी में जुलाई तक उत्पादन एक साल पहले के 103.6 लाख टन से घटकर 92.7 लाख टन रह गया। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में में भारी गिरावट आई उत्पादन पहले के 1.1 करोड़ टन से घटकर 80.9 लाख टन रह गया, जबकि कर्नाटक में उत्पादन 51.6 लाख टन से घटकर 40.6 लाख टन रह गया है। यह गिरावट गन्ने की उपलब्धता में कमी, प्रतिकूल मौसम, एथनॉल उत्पादन में इसके इस्तेमाल का बढ़ता रुझान और कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई है। एक अहम उपलब्धि के रूप में भारत ने 2025 में पेट्रोल के साथ 20 फीसदी एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है जो 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले है। यह उपलब्धि ग्रामीण आय को बढ़ावा देते हुए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के देश के प्रयासों को रेखांकित करती है। भविष्य को देखते हुए एनएफसीएसएफएल ने अनुकूल मानसून महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की खेती में वृद्धि और सरकार द्वारा उचित एवं लाभकारी मूल्य में समय पर वृद्धि का हवाला देते हुए 2025-26 में 3.5 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया है। एनएफसीएसएफएल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि चीनी मिलों की लाभप्रदता की रक्षा करने, ग्रामीण रोजगार को बनाए रखने और यह तय करने के लिए कि भारत एथनॉल और सहकारी विकास दोनों मोर्चों पर अपनी गति जारी रखने ऐसे उपाय जरुरी हैं।

भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि इस साल भारत में बिजली की मांग में मामूली चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

वर्ष की पहली छमाही में गर्मी अपेक्षाकृत कम पड़ने से खपत में कमी आई है और अधिकतम मांग सितंबर में आने की संभावना है। आईईए ने अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक बिजली की मांग 2025-26 में पिछले अनुमान और पिछले दशक की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चीन और भारत में बिजली की मांग इस साल 2024 में तीव्र वृद्धि के मुकाबले धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल छह फीसदी की वृद्धि के बाद इस साल भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

आईईए ने अनुमान लगाया है कि 2025 में चीन की खपत पांच फीसदी बढ़ेगी, जो पिछले साल के सात फीसदी से कम है। अकेले चीन की वैश्विक बिजली मांग वृद्धि में 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जैसा कि 2024 में हुआ था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में औद्योगिक गतिविधियों पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और 2024 की तुलना में कम गर्मी पड़ने से 2025 की पहली छमाही में बिजली की मांग में सालाना आधार पर 1.4 फीसदी की वृद्धि हुई।

साल की बची हुई अवधि में मांग में और ज्यादा वृद्धि होने का अनुमान है और इसमें चार फीसदी वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। आईईए ने 2026 में 6.6 फीसदी की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। इसका कारण उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मजबूत गतिविधियां और एसी की बढ़ती संख्या है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस स्थित एजेंसी ने विद्युत मंत्रालय के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। यह इस साल गर्मियों के बजाय सितंबर में स्थानांतरित हो सकती है। हालांकि उत्पादन क्षमता में वृद्धि से इस मांग को पूरा किए जाने का अनुमान है। आईईए ने उत्पादन के संबंध में कहा कि सौर पीवी और पवन ऊर्जा का संयुक्त उत्पादन 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा रहा। कुल बिजली उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी 14 फीसदी रही जो 2024 की पहली छमाही में 11 फीसदी थी। सौर पीवी उत्पादन में 25 फीसदी और पवन ऊर्जा में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई।

वाल्वो जल्द लांच करेगी एक्ससी60 और एसयूवी ईएक्स30

नई दिल्ली । भारत में वाहन निर्माता कंपनी वाल्वो एक साथ दो बड़े लॉन्च की तैयारी कर रही है। अगले महीने कंपनी अपने लोकप्रिय मॉडल एक्ससी60 का फेसलिफ्ट वर्जन पेश करेगी। साथ ही अपनी सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स30की भी एंट्री करेगी। हाल ही में भारत में ईएक्स30 को टेस्टिंग के दौरान देखा गया था, जिससे साफ है कि कंपनी इसके लॉन्च को लेकर पूरी तरह तैयार है। यह एसयूवी वोल्वो की इलेक्ट्रिक लाइनअप में ईसी40 और एक्ससी40 के नीचे होगी और भारतीय बाजार में ब्रांड की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईएक्स30की एक्स-शोरूम कीमत लगभग ₹45 लाख हो सकती है। ईएक्स30 वोल्वो के सस्टेनेबल एक्सपीरियंस आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित है और ग्लोबली पहले से ही बिक्री में है।

भारत में इसे 69केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें दो वर्जन होंगे - एक सिंगल मोटर रियर-व्हील ड्राइव और दूसरा डुअल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव। इसका पावर आउटपुट 427 बीएचपी तक हो सकता है और कंपनी द्वारा दावा की गई रेंज लगभग 474 किलोमीटर है। इसका डिज़ाइन कॉम्पैक्ट लेकिन मस्कुलर है, जिसमें पतली एलईडी हेडलाइट्स, पिक्सल स्टाइल टेललाइट्स और स्पोर्टी एक्सटीरियर मिलता है, जो इसे बीएमडब्ल्यू आईएक्स1, ह्यूदै आयोनिक 5, किआ ईवी6 और बीवायडी सिलियन 7 जैसी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवीएस से टक्कर लेने लायक बनाता है।

टेक्नोलॉजी की बात करें तो इसमें 12.3 इंच का वर्टिकल टचस्क्रीन दिया जाएगा जो गूगल इंटीग्रेटेड सिस्टम पर चलेगा।

शुभमन गिल ने रचा नया इतिहास, टूटा सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। इंडिया और इंग्लैंड के बीच द ओवल में आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड था बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। इंग्लैंड के खिलाफ 11 रन बनाते ही गिल ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया और वह भारत के नंबर-1 कप्तान बन गए हैं। बता दें कि, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 38 रन के स्कोर पर भारत को दो झटके लग गए।

जहां यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए शुभमन गिल पर काफी दबाव था। हालांकि, महज 11 रन बनाते ही उन्होंने बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मैचों की 9 पारियों में 91.50 की औसत के साथ 732 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक जड़े थे।

वहीं तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल ने अब तक इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक गिल 23 गेंदों पर 15 रन बना चुके हैं। उनके नाम अब इस सीरीज में 737 रन हो गए हैं।

फिलहाल, अब उनकी नजरें बतौर सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड पर हैं। जो कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। गिल अब ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 73 रन ही पीछे हैं।

महिला टी20 विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले नेपाल में होंगे : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के क्वालीफायर मैच नेपाल में रखे हैं। आईसीसी ने क्वालिफायर का पूरा कार्याक्रम भी जारी कर दिया है। क्वालीफायर मैचों की शुरुआत 12 जनवरी 2026 से होगी और ये 2 फरवरी 2026 तक खेले जाएंगे। 21 दिन के इस इवेंट में कुल 10 टीमें दो अलग-अलग जगह खेलेंगी। बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमों ने टी20 महिला कप 2024 में खेलकर पहले ही क्वालीफायर के लिए सीधे प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं थाईलैंड और नेपाल के अलावा यूएसए को भी प्रवेश मिल गया है। अब बची हुई 5 टीमों में से दो-दो टीमें अफ्रीका और यूरोप, जबकि एक टीम ईस्ट एशिया पैसेफिक से शामिल की जाएंगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2026 का क्वालीफायर इसलिए भी अहम होगा क्योंकि इसमें 10 टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। हर एक ग्रुप में 5 टीमें होगी। इसके बाद सुपर सिक्स स्टेज और फाइनल मैच खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का कार्यक्रम पहले ही घोषित कर दिया गया है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स को मेजबानी मिली हैं। इस इवेंट की शुरुआत 12 जून से होनी है, जिसका फाइनल 5 जुलाई 2026 को खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल की फॉर्म पर सवाल, शुरुआती चमक के बाद बल्ला पड़ा शांत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में संघर्ष करती नज़र आ रही है, और टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की फॉर्म भी चिंता का विषय बन गई है। सीरीज की शुरुआत में शानदार शतक लगाने वाले जायसवाल के बल्ले से अब रन निकलना बंद हो गया है। फ्लैट पिचों के बावजूद वे लगातार असफल हो रहे हैं, जिससे भारत की बल्लेबाज़ी लाइनअप पर दबाव बढ़ गया है।

पहला टेस्ट बना था उम्मीद की किरण

सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल ने शानदार 101 रन की पारी खेली थी, जिससे लगा कि वह पूरी सीरीज में भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ साबित होंगे। हालांकि, उसी मैच की दूसरी पारी में वह केवल 4 रन बनाकर आउट हो गए।

दूसरे टेस्ट में चमक, फिर निराशा

दूसरे टेस्ट में उन्होंने एक बार फिर 87 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन दूसरी पारी में सिर्फ 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद उनकी फॉर्म में गिरावट आनी शुरू हो गई।

तीसरे और चौथे टेस्ट में बल्ला पूरी तरह शांत

तीसरे टेस्ट में लॉर्ड्स के मैदान पर जायसवाल की पहली पारी में 13 रन और दूसरी पारी में शून्य पर आउट होना उनके खराब फॉर्म का संकेत था। चौथे टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 58 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में फिर शून्य पर आउट हो गए।

ओवल टेस्ट में फिर फ्लॉप

सीरीज के आखिरी यानी पांचवें टेस्ट की पहली पारी में जायसवाल महज 2 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे उनके प्रदर्शन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

लंबी पारियों की कमी बनी चिंता

जायसवाल को एक ऐसा बल्लेबाज़ माना जाता है जो अगर क्रीज़ पर टिक जाएं तो बड़ी पारी खेल सकते हैं, लेकिन इस सीरीज में वह बार-बार शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में न तो निरंतरता दिख रही है और न ही पहले जैसी गहराई।

भारत / इंग्लैंड पांचवें टेस्ट मैच: ओवल टेस्ट में बारिश की एंट्री, शुभमन- सुदर्शन की सधी शुरुआत

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच का पहला दिन रोमांचक तरीके से शुरू हुआ, लेकिन बारिश ने इस मुकाबले में खलल डाल दिया। ओवल के मैदान पर भारत की पारी 23 ओवर ही खेली जा सकी थी कि बारिश ने दस्तक दे दी। इसके चलते खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा और अंपायरों ने जल्दी लंच की घोषणा कर दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी मिलीजुली रही। पहले दो विकेट जल्दी गिरने के बावजूद युवा बल्लेबाज़ों ने मोर्चा संभाल लिया। भारत ने लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर 72 रन बना लिए हैं। साई सुदर्शन 25 रन और शुभमन गिल 15 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं। दोनों बल्लेबाज़ों ने संयम से खेलते हुए टीम को स्थिरता दी।

तेज़ गेंदबाज़ों का असरदार प्रदर्शन

इंग्लैंड की ओर से तेज़ गेंदबाज़ों ने शुरुआत में दबाव बनाया और भारत के दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को जल्दी पवेलियन भेजा। लेकिन इसके बाद गिल और सुदर्शन ने मोर्चा संभाला और भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि बारिश के कारण खेल रुक गया और लंच का समय घोषित कर दिया गया।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बारिश के बाद खेल कब दोबारा शुरू होता है और भारतीय बल्लेबाज़ किस तरह पारी को आगे बढ़ाते हैं। ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए मददगार मानी जाती है और अगर मौसम साफ रहा तो भारत बड़ा स्कोर खड़ा कर सकता है।

एशिया कप से पहले अगस्त में श्रीलंका से सीरीज खेल सकती है भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर हैं। वहीं 9 सितंबर से एशिया कप का आयोजन शुरू होगा। ऐसे में एशिया कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की एक सीरीज खेल सकती है।

भारत का एशिया कप का पहला मैच 10 सितंबर को है जबकि दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 सितंबर को है। भारत को अगस्त में पहले बांग्लादेश टीम के साथ 3

एकदिवसीय और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी थी जो अब नहीं खेली जाएगी पर इसकी जगह भारतीय टीम श्रीलंका से एक सीरीज खेल सकती है हालांकि अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।। है। एक रिपोर्ट के अनुसार (बीसीसीआई) अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन इसलिए भी करना चाहता है ताकि एशिया कप से पहले टीम को लय में आने का अवसर मिल सके। ऐसे में श्रीलंका के साथ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज होने की उम्मीद बढ़ गयी हैं। इससे रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों को अपने इन पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिल सकेगा।

सीएएफए नेशंस कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को मिला न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम 31 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी। यह टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के लिए अहम माना जा रहा है। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। मलेशिया के मना करने के बाद भारत को इसमें खेलने के लिए बुलाया गया है। भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है। इसमें भारत भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है।सीएएफए के छह सदस्य हैं जिसमें अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसी टीमें हैं। इसमें ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

एशिया कप में बुमराह के खेलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप नहीं खेल पाये। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के पास है पर इसका आयोजन तटस्थ स्थल के रुप में यूएई रखा गया है। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगस्त के मध्य में होने की संभावना है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह की उपलब्धता एशिया कप के लिए पक्की नहीं है। उन्होंने कहा, बुमराह अगर उपलब्ध हैं तो मेरा मानना है कि उन्हें एशिया कप खेलना चाहिए। यह देखना होगा कि किस तरह की टीम चुनी जाती है पर यह पिछली बार चुनी गई टी20 टीम से बहुत अलग नहीं होगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी फिटनेस समस्याओं के कारण टूर्नामेंट के लिए शायद ही शामिल किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरा मानना है कि शमी इसमें शामिल नहीं होंगे, क्योंकि शमी को केवल उनकी फिटनेस परखने और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार करने के लिए ही आखिरी बार टी20 टीम में शामिल किया गया था। अब जबकि टीम तय हो गयी है और ऐसे में अगर वह टेस्ट मैचों में नहीं खेलते हैं, तो मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट भी नहीं खेलेंगे।

पाक और न्यूजीलैंड की टीमों को शायद ही ओलंपिक में प्रवेश मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें शायद ही आगामी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल हो पायें। इस दोनो की टीमों को इसलिए जगह नहीं मिल सकती क्योंकि केवल 6-6 टीमों को ही भाग लेने की अनुमति मिली है। ऐसे में 128 साल के बाद ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी होने के बाद भी ये दोनो ही टीमें उसमें नहीं खेल पायेंगी। इसका कारण ये भी है कि लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में केवल 6-6 ही टीमें ही पुरुष और महिला वर्ग से भाग लेंगी। अभी तक आईसीसी और आईओसी की ओर से इसके लिए कोई प्रवेश प्रक्रिया घोषित नहीं की गयी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद

आईसीसी ने क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया था। इसमें न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की टीम को पुरुष वर्ग में शामिल नहीं किया था। रीजनल क्वालिफिकेशन के कारण न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को भी इसमें जगह नहीं मिली है।

आईसीसी ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी के मानकों के अनुरूप ही एक क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली अपनाई है। इसमें पांच महाद्वीपों - एशिया, ओशिनिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका शामिल हैं। इस प्रस्तावित प्रक्रिया के तहत, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप) और दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) अपनी वर्तमान में टी20 रैंकिंग के आधार पर महाद्वीपीय प्रतिनिधि के रूप में क्वालीफाई करेंगे। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) को मेजबान के रूप में रखा गया है। छठी टीम वेस्टइंडीज की हो सकती है पर उसके लिए प्रक्रिया अलग होगी।

वहीं आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर कायम न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया से पीछे है, जो दूसरे स्थान पर है। ऐसे में अगर प्रवेश मौजूदा रैंकिंग के आधार पर मिलता है तो पाकिस्तान (आठवें स्थान) को एशिया से भारत पीछे छोड़ देगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों ने इस प्रस्तावित क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर नाराजगी जतायी है।

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 : क्वार्टर फाइनल में भारत के निहाल सरीन का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से

रियाद, सऊदी अरब। शतरंज को पहली बार ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का हिस्सा बनाया गया है और पहले ही संस्करण में भारत के दो युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन (टीम एस8यूएल) ने लगातार बेहतरीन दो मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहाँ अब उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) से होगा। निहाल सरीन ने पहले नीदरलैंड्स के ग्रांडमास्टर अनीश गिरी (टीम सीक्रेट) को 2-0 से हराया और फिर फ्रांस के ग्रांडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (टीम विटालिटी) को 1.5-0.5 से पराजित किया। निहाल ने इन दोनों मुकाबलों में एक भी बाजी नहीं गंवाई। भारत के ही एक और शीर्ष खिलाड़ी, ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) अब क्वार्टर फाइनल में रूस के ग्रांडमास्टर इयान नेपोमिनियाची (टीम ऑरोरा गेमिंग) से टकराएंगे।

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में – उज़्बेकिस्तान के ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (टीम नावी) ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) से, अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) अर्मेनिया के ग्रांडमास्टर लेवोन अरोनियन (टीम रिजेक्ट) से खेलेंगे।

प्रत्येक बाजी का समय नियंत्रण 10 मिनट है और इसमें कोई वृद्धि नहीं दी गई है।

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 15 लाख अमेरिकी डॉलर है और खिलाड़ी अपनी-अपनी ई-स्पोर्ट्स टीमों के ज़रिए 2.7 करोड़ डॉलर की साझा पुरस्कार राशि के हिस्सेदार भी हैं। एक विशेष नियम के तहत हर मुकाबले के बाद विजेता खिलाड़ी, पराजित खिलाड़ी की फ्रचाबीफ्र मंच पर तोड़ता है।

भारत के सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्लयूएफ) की रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 10वें नंबर पर आ गई है। सात्विक-चिराग को चाइना ओपन 2025 में सेमीफाइनल तक पहुंचने का लाभ मिला है और इसी कारण उन्हें शीर्ष दस में जगह मिली है। चाइना ओपन में इस जोड़ी को मलेशिया के आरोन चिया और सो वूई यिक की जोड़ी ने 13-21, 17-21 से हराया था। इस सत्र ये उनका तीसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी अंतिम चार में पहुंचे थे। पिछला साल थाईलैंड ओपन जीतने के बाद इस भारतीय जोड़ी ने दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की थी।

वहीं भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स खिलाडी लक्ष्य सेन को भी ताजा रैंकिंग में दो स्थान का लाभ हुआ है और वह 17वें स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके अब 54442 अंक हैं, जो चीन के झेनजियांग वांग से थोड़ा ही आगे हैं। वहीं वांग ने इस हफ्ते 5 स्थान की छलांग लगायी है। वहीं भार के एचएस प्रणॉय को भी दो स्थान का लाभ हुआ है और वह नंबर 33 पर पहुंच गये हैं। उनके अब 40336 अंक हो गए हैं। वहीं महिला एकल में भातर की उन्नति हूडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई है। उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्नति ने पिछले सप्ताह पीवी सिंधु को 21-16, 19-21, 21-13 से हराकर सबको हैरान किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान मिचेल मार्श की टीम में बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी शामिल किया है पर तेज गेंदबाज पैट कमिंस को इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। इस बार एकदिवसीय टीम में एक नए खिलाड़ी मिच ओवेन को भी जगह मिली है। ओवेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 14-14 सदस्यीय टीम टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुनी है। मिचेल मार्श दोनो ही प्रारुपों की कप्तानी संभालेंगे. 10 अगस्त से टी20 सीरीज खेली जाएगी जबकि 24 अगस्त को अंतिम एकदिवसीय के साथ ही ये सीमित ओवरों की सीरीज समाप्त होगी। इस टीम में ऑलराउंडर मैट शॉर्ट को भी जगह मिली है। ओवेन इस सीरीज से एकदिवसीय में पदार्पण कर सकते हैं। इसके अलावा सीन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी का भी टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी जारी रखेगी।

टी20 टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

अश्विन की रोमांचक भविष्यवाणी, कहा- ओवल टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को मिलेगा नया सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांचवीं और अंतिम टेस्ट सीरीज से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल की जमकर तारीफ की है। अश्विन ने कहा है कि बेथेल में वो सारी खूबियां हैं जो उसे भविष्य का सुपरस्टार बना सकती हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस फाइनल टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे और जैकब बेथेल उनकी जगह टीम में शामिल होकर खेलेंगे। अश्विन ने इस युवा खिलाड़ी को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई हैं।

जैकब बेथेल को लेकर अश्विन की खास बात

अश्विन ने एक पॉडकास्ट के दौरान कहा कि ÷पांचवें टेस्ट में क्रिकेट की दुनिया को एक नया सुपरस्टार देखने को मिलेगा।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷मुझे कोई शक नहीं कि जैकब बेथेल सुपरस्टार बनेगा। वह सचमुच एक अलग तरह की प्रतिभा है।÷ अश्विन ने 21 वर्षीय इस खिलाड़ी की बल्लेबाजी और बाएं हाथ की गेंदबाजी दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बेथेल बल्ले से शानदार खेलता है और गेंदबाजी में भी कमाल दिखाने वाला खिलाड़ी है।

इंग्लैंड की टीम और बेथेल का रोल

इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में फिलहाल 2-1 की बढ़त पर है। हालांकि अंतिम टेस्ट में मेजबान टीम की कोशिश होगी कि वे भारत के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमाएं। लेकिन बेन स्टोक्स के ना खेलने से इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में जैकब बेथेल की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। यह युवा खिलाड़ी कप्तान के रूप में अपनी योग्यता दिखाने का मौका पाने वाला है।

सीरीज की स्थिति और भारत की तैयारी

इस टेस्ट सीरीज की शुरुआत इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में 5 विकेट से जीत के साथ की थी। इसके बाद एजबेस्टन में भारत को 336 रनों से भारी हार का सामना करना पड़ा। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने फिर से बढ़त बनाई और चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब आखिरी टेस्ट ओवल में खेला जा रहा है, जहां भारत सीरीज को ड्रॉ कराने के लिए जी-तोड़ कोशिश करेगा।

भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल इस सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम के साथ हैं। हालांकि मैनचेस्टर टेस्ट में पंत के पैर में फ्रैक्चर हो गया था, इसलिए वे पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह एन. जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

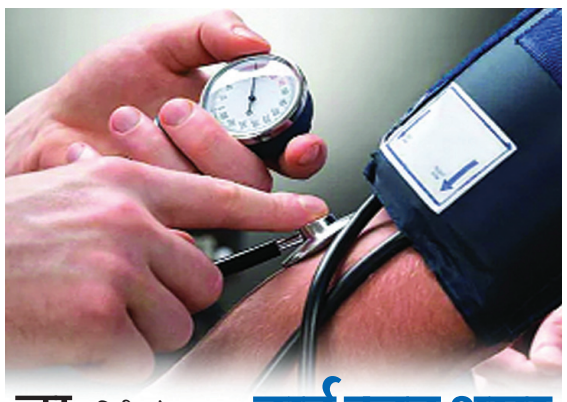

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

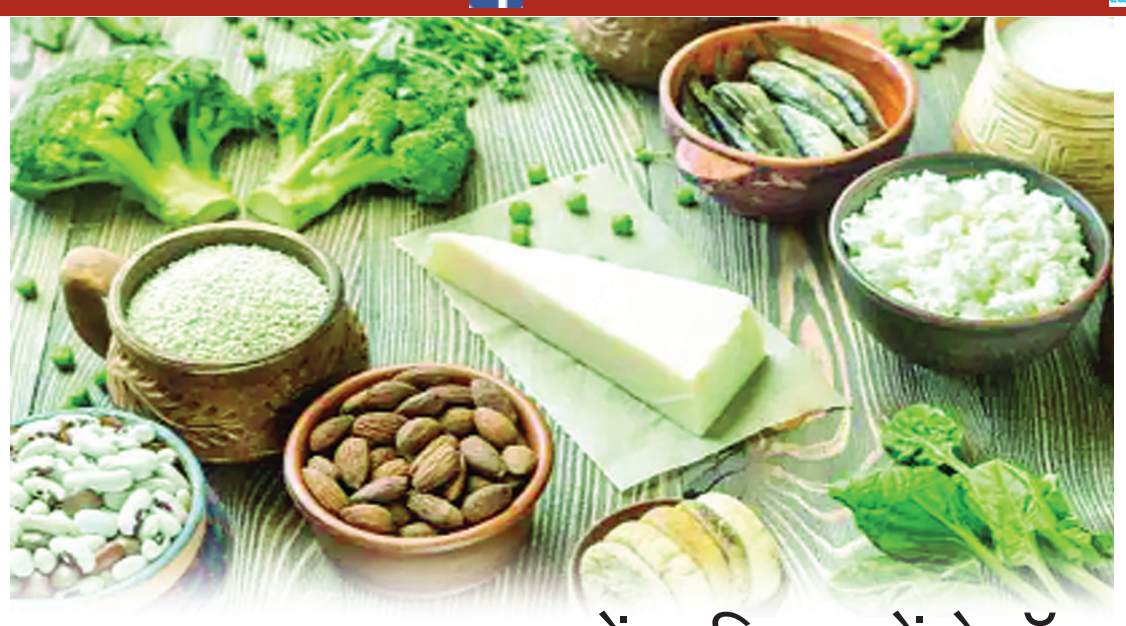

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेद चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

ड़ायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीजीसीए ने एअर इंडिया में कई बड़ी खामियां पकड़ी... इसमें से 7 गड़बड़ियां लेवल-1 की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर विमानों की सुरक्षा देखने वाली संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा समूह की एयरलाइन एअर इंडिया में कई बड़ी खामियां पकड़ी हैं। सूत्रों के मुताबिक इसमें पायलटों और केबिन क्रू की ट्रेनिंग, उनके आराम और ड्यूटी के नियम और उड़ान भरने-उतरने से जुड़े मानकों में करीब 100 तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक, ये संख्या 51 है। इसमें से 7 गड़बड़ियां लेवल-1 की हैं। ये सबसे गंभीर सुरक्षा जोखिम हैं और एयरलाइन को इन्हें 30 जुलाई तक ठीक करना होगा। बाकी 44 खामियों को 23 अगस्त तक सुधारने का आदेश दिया गया है। हालांकि, अभी इन खामियों की लिस्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। एअर इंडिया ने इन ऑडिट नतीजों को स्वीकार कर कहा है कि वे तय समय के अंदर डीसीजीए को अपना जवाब देगी। डीजीसीए एअर इंडिया के गुरुग्राम में बने मुख्य सेंटर पर 1 से 4 जुलाई तक एक बड़ा ऑडिट हुआ था। इसमें फ्लाइट ऑपरेशन, शेड्यूल बनाने, रोस्टरिंग और कई दूसरे पहलुओं की जांच की गई थी। डीजीसीए ने 23 जुलाई को एअर इंडिया को चार कारण बताओ नोटिस भेज दिए थे। ये केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी नियमों, ट्रेनिंग रूल्स, और ऑपरेशनल प्रोसीजर के उल्लंघन को लेकर थे। इससे पहले 21 जून को डीजीसीए ने चालक दल की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग की जिम्मेदारी से जुड़े तीन अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए थे। डीजीसीए ने उनकी कार्यशैली में गंभीर लापरवाही पाई थी।

निमिषा प्रिया की फांसी के संवेदनशील मामले में किसी तरह की कयासबाजी अनुचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की रहने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में दी गई सजा-ए-मौत यानी फांसी की सजा जैसे संवेदनशील मामले में किसी भी प्रकार का अनुमान लगाना या कयासबाजी करना पूरी तरह से गलत है। जिससे हर हाल में बचा जाना चाहिए। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को भारत के ग्रैंड मुफ्ती कंथापुरम एपी मुसलियार के निमिषा की फांसी की सजा के यमन में रद्द किए जाने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया था। वहीं, यह ताजा स्पष्टीकरण भी ग्रैंड मुफ्ती से ही जुड़ा हुआ है। जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के मामले में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत होने की बात कही है। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने भारतीय नर्स के मामले से जुड़ी हुई खबरें और उनमें किए गए दावों को देखा है। जो कि पूरी तरह से गलत हैं। यहां बता दें कि निमिषा प्रिया को 2017 में यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में वहां की शीर्ष अदालत द्वारा फांसी की सजा सुनाई गई है। पहले 16 जुलाई को फांसी होनी थी। लेकिन फिर भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। इन सबके बीच मंत्रालय ने इसी महीने 17 जुलाई को कहा था कि निमिषा प्रिया के मामले में वह यमन के अधिकारियों-प्राधिकारियों के साथ संपर्क बना हुआ है। साथ ही भारत ने कुछ मित्र देशों से संपर्क साधा गया है। भारत की यमन में कूटनीतिक रूप से कोई मौजूदगी नहीं है। जिसके चलते सऊदी अरब में मौजूद भारतीय राजदूतों द्वारा मामले की देखरेख की जा रही है। यमन की राजधानी सना की जेल में निमिषा बंद हैं और इस पर वर्तमान में हूती विद्रोहियों का कब्जा है।

मणिपुर में अवैध वसूली के आरोप में चार उग्रवादियों समेत पांच गिरफ्तार

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कई जिलों से सुरक्षा बलों ने अवैध वसूली करने के आरोप में तीन प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादियों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां बुधवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में नगाईखोंग खुनोऊ जांच चौकी पर तलाशी और जांच के दौरान प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय कैडर और उसके सहयोगी को वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पकड़ा। इंफाल और बिष्णुपुर जिलों में ठेकेदारों, व्यापारियों और आम जनता से पैसे मांगने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को वसूली, लोगों को धमकाने और संगठन के लिए कार्यकर्ताओं की भर्ती करने के लिए थौबल जिले के हीरोल पार्ट-2 से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में इंफाल पश्चिम जिले के ताओथोंग खुनोऊ से गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के कैरांग चिंग्या से गिरफ्तार किया है। इस बीच, एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार को चुराचंदपुर और थौबल जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान 26 आग्नेयास्त्र, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया है।

धोखाधड़ी के आरोप में तमिल अभिनेता एस. श्रीनिवासन गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिल अभिनेता एस. श्रीनिवासन को दिल्ली की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन पर एक कंपनी को 1000 करोड़ रुपये का लोन दिलाने के बहाने ठगी करने का आरोप है और उन्हें मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। शिकायतकर्ता कंपनी ने कथित तौर पर लोन एग्रीमेंट के तहत 5 करोड़ रुपये की प्रोसेसिंग फीस का भुगतान किया था। इसके बाद न उन्हें कोई लोन मिला और न ही 5 करोड़ रुपये वापस किए गए। गारंटी के तौर पर दिया गया चेक भी अपर्याप्त शेष राशि के कारण स्वीकार नहीं हुआ। पुलिस की जांच में सामने आया कि 27 दिसंबर 2010 को शिकायतकर्ता कंपनी से 5 करोड़ रुपये मेसर्स बाबा ट्रेडिंग कंपनी को ट्रांसफर किए गए थे। इसके बाद ये पैसे श्रीनिवासन और उनकी पत्नी के खातों में स्थानांतरित हुए।

ट्रंप के टैरिफ लगाने और युद्धविराम के मुद्दों पर सरकार दे जवाब: प्रियंका गांधी

-ये अमेरिका की ब्लैकमेलिंग ऑपरेशन सिंदूर भी रुकवाया, समझौता भी नहीं किया

बीकानेर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा और भारत-पाकिस्तान युद्ध संबंधी विवादास्पद बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दोनों मुद्दों पर केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

प्रियंका ने कहा कि सबने देखा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा है। उन्होंने टैरिफ के बारे में बात की, जंग के बारे में फिर से कहा कि उनके कहने पर भारत और पाकिस्तान ने जंग रोकी। दोनों बातों पर सरकार को जवाब देना होगा।

वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा पीएम मोदी और भारत के लिए एक बड़ा झटका है। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप का कोई फायदा नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप 30 बार कह चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया और इसलिए रुकवाया ताकि अच्छी ट्रेड डील हो सके। अब 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी है और जुर्माना भी लगाने की बात कही है। ऐसे में सवाल है कि इस दोस्ती से हमें क्या मिला? सवाल ये भी कि अमेरिका कौन होता है हमें ये बताने के लिए हम कहां से क्या खरीदेंगे?

रमेश ने कहा कि यह हमारे देश, हमारी अर्थव्यवस्था और प्रधानमंत्री के लिए बहुत बड़ा झटका है, लेकिन पीएम को डरना नहीं चाहिए, उन्हें डटकर देशहित ऊपर रखना चाहिए। ये अमेरिका की ब्लैकमेलिंग है। ऑपरेशन सिंदूर भी रुक गया, ट्रेड समझौता भी नहीं हुआ और उसके ऊपर पेनल्टी भी लग गई। राज्यसभा चल रही थी, लेकिन पीएम मोदी सदन में आए नहीं। पीएम मोदी को पता चल गया था कि सवाल ट्रंप पर किया जाएगा, क्योंकि 25 फीसदी टैरिफ वाली बात सामने आ चुकी है। हम ये सोच रहे थे कि हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौतियां पाकिस्तान और चीन है, लेकिन अब अमेरिका भी हमारे लिए मुसीबत बन गया है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने ट्रम्प द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर कहा कि कुछ दिनों पहले एक प्रेस वार्ता के दौरान जब किसी पत्रकार ने ट्रम्प से पीएम मोदी के बारे में पूछा तो ट्रम्प ने कहा कि मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मुझे पाकिस्तान से प्यार है...ट्रम्प का व्यवहार पूरी दुनिया में दूसरे देशों के प्रति ऐसा है कि जैसे वे राजा हों और दूसरे लोग प्रजा हों। ऐसा कभी किसी बड़े और ताकतवर देश ने दूसरे देशों के साथ नहीं किया है। हिंदुस्तान को नए सिरे से सोचना होगा।

पीएम मोदी से कोई भी काम धमकी देकर नहीं कराया जा सकता

-कवि कुमार विश्वास ने भारत पर टैरिफ लगाने पर ट्रंप को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 फीसदी टैरिफ और अतिरिक्त जुर्माने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला 1 अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने कहा है कि यह फैसला भारत की ओर से रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने को लेकर किया है। ट्रंप के टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद अब सियासी घमासान शुरु हो गया है। कवि कुमार विश्वास ने कहा कि जो लोग पीएम मोदी को थोड़ा सा भी जानते हैं उन्हें मालूम है कि उनसे कोई भी काम धमकी देकर कोई नहीं करा जा सकता। ऐसे उन्होंने यूएस राष्ट्रपति को खास नसीहत दी है। कुमार विश्वास ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- राष्ट्रपति ट्रंप के जो भी सलाहकार हैं वे उन्हें भारत के बारे में दो सलाह गलत दे गए। पहली तो यह कि ये संघर्ष और चुनौती को अपने अंतिम आदमी तक ले जाने वाला नया भारत है और अब इसे लड़कर जीतने की धीरे-धीरे आदत सी हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे यह कि जो लोग पीएम मोदी को थोड़ा सा भी जानते हैं उन्हें मालूम है कि उनसे कोई भी काम धमकी देकर कोई नहीं करा जा सकता। उल्टे आपत्ति और चुनौती के समय तो पीएम मोदी की कार्यक्षमता और दक्षता सर्वोत्तम होती है। कुल मिलाकर ट्रंप समेत दुनिया के सभी दादाओं से निवेदन है कि अपनी तेल-चटाई चाहे पाकिस्तान ले जाएं या चीन, भारत के विकास और शक्ति की बीन तो यूं ही बजेगी। विश्वास का ये ट्वीट ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा है कि याद रखिए, भले ही भारत हमारा मित्र है, लेकिन सालों से हमने भारत के साथ अपेक्षाकृत बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। अमेरिका को भारत के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

विपक्ष के आरोप पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू... जबाव कौन देगा ये सरकार तय करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष और केंद्र सरकार के बीच ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के जवाब को लेकर तीखी बहस हुई, इसकारण सदन की कार्यवाही शाम 4:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी सांसद इस बात से नाराज़ थे कि प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा का जवाब नहीं दिया, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी आपत्ति इस बात पर नहीं थी कि प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया, बल्कि इस बात पर थी जब गृह मंत्री ने कहा कि मैं अकेले आपको निपट लूंगा, इससे सभी सांसदों का अनादर हुआ।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि चर्चा का जवाब कौन देगा, यह विपक्ष नहीं, बल्कि सरकार तय करती है। उन्होंने 2008 के मुंबई आतंकी हमले का हवाला दिया जब तत्कालीन गृह मंत्री ने सदन में जवाब दिया था, न कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने। रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 42 मिनट तक विस्तार से जवाब दिया था।

इसके पहले गुरुवार सुबह से ही राज्यसभा में कई अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा चल रहा था, जिसमें बिहार में मतदाता सूची की जांच, अमेरिका के टैरिफ, महिलाओं के खिलाफ अपराध और सभापति के इस्तीफे जैसे मुद्दे शामिल थे। विपक्षी सांसदों ने नियम 267 के तहत इन मुद्दों पर चर्चा की मांग की, लेकिन अनुमति न मिलने पर उन्होंने ज़ोरदार नारेबाजी की, जिसके कारण सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी।

सांसद कार्ति चिदंबरम ने पीएम को लिख पत्र कहा- आवारा कुत्ते बड़ी समस्या, टास्क फोर्स बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में तेजी से बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर चिंता जताई है और इस मुद्दे से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स के गठन की मांग की है।

कार्ति चिदंबरम ने अपने पत्र में लिखा कि देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार कुत्तों के काटने की घटनाएं, बच्चों और बुजुर्गों पर हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों द्वारा उठाए गए कदम अपर्याप्त और बिखरे हुए हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को एक सुनियोजित और समन्वित नीति बनानी चाहिए।

यह केवल जानवरों का नहीं, जन सुरक्षा का गंभीर मुद्दा है। देश के हर नागरिक को सुरक्षित वातावरण देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स बनाई जाए जो सभी राज्यों, नगरपालिकाओं, स्वास्थ्य एवं पशु कल्याण विभागों के साथ मिलकर ठोस कार्ययोजना बनाए।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में नसबंदी, टीकाकरण, और कुत्तों के पुनर्वास को लेकर कोई स्पष्ट और एकसमान दिशा-निर्देश नहीं हैं। इससे नीति निर्माण और अमल में भारी असमंजस की स्थिति बनी रहती है।

कार्ति ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित टास्क फोर्स में स्वास्थ्य मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, पशु कल्याण बोर्ड, विशेषज्ञ एनजीओ, और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए ताकि हर पहलू से समस्या का समाधान संभव हो। उन्होंने यह भी चेताया कि अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह रैबीज और अन्य संक्रमणों के रूप में जनस्वास्थ्य संकट बन सकता है। उन्होंने ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की ओर भी ध्यान दिलाया, जहां ऐसी घटनाएं अधिक होती हैं लेकिन दर्ज नहीं होतीं। गौरतलब है कि हाल के महीनों में सोशल मीडिया पर कुत्तों के हमलों के वीडियो, नवजातों की मौत, और स्कूल जाते बच्चों पर हमले जैसी खबरों ने इस मुद्दे को लेकर जनचिंता को और गहरा कर दिया है।

फिलहाल प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस पत्र पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा अंतर-मंत्रालयी स्तर पर चर्चा के लिए जल्द उठाया जा सकता है।

विदित हो कि आवारा कुत्तों के संदर्भ में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने भी अपनी स्वयंसेवी संस्था के मार्फत समूची दिल्ली में एक अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने भी सरकार से आग्रह किया है कि इस दिशा में जल्द ठोस उपाय किये जाएं।

ऑनलाइन धोखाधड़ी, चाहे कितनी भी छोटी क्यों न हो जांच के दायरे में होगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस मुखिया ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पांच लाख की सीमा को हटाने सहित साइबर अपराध से निपटने के लिए कई सुधारों की घोषणा की। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 के लिए एक कॉल सेंटर के उद्घाटन के दौरान इन बदलावों के बारे में बताया। इस कॉल सेंटर के जरिये वित्तीय साइबर अपराधों के पीड़ितों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान की जाएगी। यूपी पुलिस डीजीपी कृष्ण ने बताया कि कांस्टेबलों से लेकर निरीक्षकों तक कुल 94 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिसमें 50 कॉलर पाली के हिसाब से काम करने वाले है। डीजीपी कृष्ण ने बताया कि कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, साइबर अपराध मुख्यालय और जिला पुलिस इकाइयों के मंचों पर वास्तविक समय में दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि केवल पांच लाख रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी में ही प्राथमिकी दर्ज करने के नियम को रद्द किया गया है। अधिकारी ने बताया कि 2023 में 57 नए साइबर थानों की स्थापना के साथ, सभी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो जांच के दायरे में होगी।

मालेगांव मामले में औवेसी ने पूछा... क्या फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी केंद्र और महाराष्ट्र सरकार

हमले में जान गंवाने वाले लोगों की जवाबदेही कौन लेगा?

नई दिल्ली(एजेंसी)। 2008 के मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत के फैसले पर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से सवाल किया है कि क्या वे अदालत के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने कहा, 2008 के मालेगांव बम विस्फोट में छह नमाजियों की मौत हुई थी और करीब 100 लोग घायल हुए थे। मुंबई एटीएस ने शुरुआत में शहीद हेमंत करकरे के नेतृत्व में जांच की थी, इसके बाद एनआईए को केस ट्रांसफर हुआ। इस जांच में भारी खामियां थीं। अब, 17 साल के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी किया है। मेरा सवाल केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से है कि जिस तरह उन्होंने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, अगर वे अब सुप्रीम कोर्ट नहीं जाते, तब क्या यह आतंकवाद के प्रति पाखंड नहीं होगा?

उन्होंने सवाल उठाया कि ब्लास्ट में इस्तेमाल हुआ मिलिट्री-ग्रेड आरडीएक्स कहां से आया। ओवैसी ने कहा, समझौता ब्लास्ट, मक्का मस्जिद ब्लास्ट, मुंबई ट्रेन ब्लास्ट, 2006 मालेगांव ब्लास्ट और 2008 ब्लास्ट किसने किया, किसी को भी नहीं मालूम है। असली गुनहगार कौन हैं, जो अभी भी आजाद घूम रहे हैं? जिन्होंने वास्तव में घटना को अंजाम दिया, वे खुलेआम घूम रहे हैं। मेरा सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार और महाराष्ट्र सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी?

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने मालेगांव ब्लास्ट केस में प्रतिक्रिया देकर कहा, स्पेशल कोर्ट ने सात आरोपियों को मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी किया है। इस मामले में सबसे अहम बात यह है कि 6 नमाजियों की मौत हुई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। मैं पूछना चाहता हूं कि ये बम आया कहां से? उस दौरान एनआईए और एटीएस ने कहा था कि बाइक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के नाम पर थी, लेकिन अब उन्हें छोड़ दिया गया है। इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों की जवाबदेही कौन लेगा?

सीएम साय ने सांसदों के साथ दिल्ली में की बैठक, औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित 17, छत्तीसगढ़ सदन में राज्य से संबंधित सांसदों से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर आयोजित रात्रि भोज के दौरान मुख्यमंत्री ने सांसदों के साथ राज्य एवं राष्ट्र से जुड़े समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन के प्रयास, युवाओं के लिए उभरते अवसर, किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण, तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनकारी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों को छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से राज्य की प्राथमिकताएं और ज़मीनी आवश्यकताएं राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से रखी जा सकती हैं। इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे व्यापक और सकारात्मक परिवर्तनों की चर्चा भी हुई। सांसदों ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर अनुभव साझा किए और राज्य में उनकी ज़मीनी पहुंच पर भी प्रकाश डाला। लंबे समय के बाद सांसदों के साथ सीएम की चर्चा हो रही है। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो राज्य के लिए सवालों का गणित संसद में क्या हो सकता है, कौन क्या सवाल उठाये, कौन कौन चर्चा में भाग लेकर प्रदेश के विभिन्न विषयों को प्रभावी ढंग से सदन के पटल पर रखे, कुछ ऐसे विषयों के साथ पूर्व के भाजपा शासनकाल में सीएम रहे डॉ रमन सिंह दिल्ली में बैठकें किया करते थे। तब उन्होंने सांसदों में से ही एक को वरिष्ठता के आधार पर कोर्डिनेटर भी बनाया था ताकि सांसदों के साथ सीएम का विषयवार समन्वय बना रहे। उसी तर्ज पर अब सीएम विष्णु देव साय ने बैठकों का सिलसिला शुरू किया है।

कौन होगा बीजेपी का नया बॉस... इन चार राज्यों में बॉस की नियुक्ति के बाद होगा तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी हो सकता है जब करीब 50 प्रतिशत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाएं। खबरों के अनुसार, बीजेपी जल्दी ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान करेगी, जिसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इन राज्यों में संगठनात्मक चुनाव अभी पूरे नहीं हुए हैं या प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त हो गए हैं, जिससे राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में देरी हो रही है।

फिलहाल भूपेंद्र सिंह चौधरी यूपी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देख रहे हैं, लेकिन उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। यह बीजेपी के लिए सबसे बड़ा और अहम राज्य है, इसलिए यहां की नियुक्ति पूरे संगठन पर असर डाल सकती है। इसके अलावा गुजरात में भी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य होने के कारण यह चयन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं दक्षिण के राज्य कर्नाटक में संगठनात्मक चुनावों में देरी के कारण अभी तक नया प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुना गया है। कर्नाटक दक्षिण भारत में बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा राज्य में राजीव भट्टाचार्य 2022 से प्रदेश अध्यक्ष हैं। अब पार्टी यहां भी नए नेतृत्व की ओर बढ़ रही है।

दरअसल बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव है जब देश के आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव हो चुके हों। लेकिन अभी तक कई राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में यह प्रक्रिया अधूरी है। इतना ही नहीं 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे ने भी इस चुनाव प्रक्रिया को अधर में डाल दिया है। अब पार्टी का पूरा ध्यान नए उपराष्ट्रपति के चुनाव पर केंद्रित हो गया है।

अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया

बीजेपी के संविधान की धारा-19 और 20 के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक तय प्रक्रिया से होता है। इसके लिए एक इलेक्टोरल कॉलेज तैयार किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषद के सदस्य होते हैं। उम्मीदवार का कम से कम 15 साल का प्राथमिक सदस्य होना जरूरी होता है और उसे 20 प्रस्तावक मिलने चाहिए, जो 5 अलग-अलग राज्यों से हों जहां संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हों। इसके बाद वोटिंग होती है और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाता है। संक्षेप में, बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन तब तक संभव नहीं है

जब तक यूपी, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा जैसे राज्यों में संगठनात्मक नियुक्तियां पूरी नहीं होतीं और आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव संपन्न नहीं हो जाते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अंगोला में ईंधन की कीमतों को लेकर प्रदर्शन, चार की मौत और सैकड़ों गिरफ्तार

लुआंडा, एजेंसी। अंगोला की राजधानी लुआंडा में ईंधन की कीमतें बढ़ने के खिलाफ दो दिन तक चले विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई और 500 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी मंगलवार को पुलिस ने दी। सरकार ने इस महीने की शुरुआत में डीजल की कीमतों में 30प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी की थी। इसके कारण मिनीबस टैक्सी की सवारी महंगी हो गई, जो वहां के बहुत से लोगों के लिए रोज आने-जाने का मुख्य साधन है। इसी वजह से सोमवार से लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस के अनुसार, दंगे, तोड़फोड़ और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं हुईं। कई कारें और बसें तोड़ी गईं और सड़कों पर जाम लगा दिया गया। पुलिस प्रवक्ता माटेउस डी लेमोस रोड्रिग्स ने बताया कि इस हिंसा में चार लोगों की जान चली गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि अब शहर में ज्यादातर जगह शांति लौट आई है।

सर्बिया में छात्रों के निष्कासन पर सरकार विरोधी प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

नोवी पजार, एजेंसी। सर्बिया के शहर नोवी पजार में मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। यह झड़प तब हुई जब कुछ छात्रों को एक कॉलेज की इमारत से जबरन बाहर निकाला गया, जहां वे कई महीनों से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। नोवी पजार में सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और राष्ट्रपति अलेक्सांद्र वुसिक के खिलाफ नारे लगाए। लोगों ने मांग की कि छात्रों को फिर से इमारत में रहने दिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बोतलें फेंकीं। इस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने संयम से काम लिया और शांति बनाए रखी। बाद में जब छात्रों ने विजय के नारे लगाए, तो पुलिस पीछे हट गई।

गाजा में जरूरतमंदों तक पहुंचने से पहले ही भीड़ ने लूट ली 55 ट्रक सहायता सामग्री

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल के हवाई हमलों और गोलीबारी में पिछले 48 घंटों में 78 फलस्तीनियों की मौत हुई है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस बीच जरूरतमंदों को पहुंचाई जाने वाली 55 ट्रक सहायता भुखमरी के शिकार लोगों ने रास्ते में ही लूट ली। उधर, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 21 माह के भीतर इस युद्ध में गाजा पट्टी में 60,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट को लेकर बढ़ते दबाव के बीच इस्राइल ने गत सप्ताह गाजा सिटी, दीर अल-बला और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे सैन्य कार्रवाई रोककर मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था की घोषणा की थी। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि गाजा पहुंचने वाले उसके सभी 55 ट्रक को गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही भीड़ ने लूट ली। यूएन की खाद्य एजेंसी के प्रवक्ता मार्टिन पेनर ने हालात गंभीर बताए। खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी से बचाव के लिए यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है।

सुसान मोनारेज की ट्रंप के सीडीसी निदेशक के रूप में पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को सुसान मोनारेज को अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक के रूप में पुष्टि की। उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए नामित किया था। 50 साल की मोनारेज को जनवरी में अस्थायी निदेशक बनाया गया था। इसके बाद मार्च में, ट्रंप ने अपनी पहली पसंद डेविड वेल्डन को अचानक हटाकर मोनारेज को इस पद के लिए नामित किया। सीडीसी एक संघीय संस्था है, जो बीमारियों की निगरानी करती है और स्वास्थ्य से जुड़ी खतरनाक स्थितियों से निपटती है। हाल ही में, यह संस्था स्टाफ की भारी कटौती, बड़े अधिकारियों के इस्तीफे और टीकाकरण नीतियों को लेकर विवादों में घिरी हुई है। यह विवाद स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के कारण बढ़ा है, जो टीकाकरण के विरोधी माने जाते हैं।

नेपाल: नाग पोखरी पूजा के साथ त्योहारी मौसम शुरू

काठमांडो, एजेंसी। नाग पंचमी उत्सव के दौरान नाग देवता की पूजा करने के लिए दर्जनों श्रद्धालु राजधानी के नाग पोखरी में उमड़ पड़े। इसी के साथ, हिमालयी राष्ट्र में त्योहारों का मौसम शुरू हो जाता है। नागपोखरी मंदिर में श्रद्धालुओं ने सिंदूर, फूल और दूध चढ़ाया। इस दिन नाग देवता की पूजा के अनुष्ठान के दौरान मुख्य रूप से जौ, तिल, अगरबत्ती, फूल और पत्ते, नाग के चित्र के साथ-साथ कपास से बने चित्रों का इस्तेमाल किया।

ब्रिटिश उड़ान में नारेबाजी करने पर भारतवंशी गिरफ्तार

लंदन , एजेंसी। भारतीय मूल के 41 वर्षीय अभय देवदास नायक पर लंदन के ल्यूटन हवाई अड्डे से ग्लासगो जाने वाली उड़ान में तेज नारे लगाकर बाधा डालने और विमान की सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगा है। उसे स्कॉटलैंड की अदालत में पेश किया गया। नायक को रविवार सुबह ग्लासगो में ईजीजेट की उड़ान के उतरने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

बेटों को पाकिस्तान नहीं आने देंगे इमरान खान:5 अगस्त के प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे; खान 2 साल से जेल में बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने बेटों को पाकिस्तान आने और किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। इससे पहले इमरान की बहन, अलीमा खान ने दावा किया था कि उनके भतीजे अपने पिता की रिहाई के लिए 5 अगस्त को होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। हालांकि, खान ने साफ किया कि उनके बेटे न तो पाकिस्तान आएंगे और न ही किसी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। खान के बेटे, सुलेमान खान (28) और कासिम खान (26), हाल ही में अमेरिका में थे, जहां उन्होंने अपने पिता की रिहाई के लिए अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की थी। पीटीआई 5 अगस्त से प्रदर्शन करेगी इमरान की पार्टी पीटीआई5 अगस्त से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि उनकी रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी ने इसे इमरान खान को आजाद करो अभियान नाम दिया है। इमरान की बहन अलीमा खान ने भी मीडिया से कहा कि इमरान ने पीटीआई को निर्देश दिया है कि उनकी या उनकी पत्नी की सुरक्षा को खतरा होने पर मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा कि पार्टी का सुलेमान और कासिम से कोई संपर्क नहीं है, लेकिन उन्हें अपने पिता से मिलने का अधिकार है। ट्रम्प

के प्रतिनिधि से मिले थे इमरान के बेटे सुलेमान और कासिम ने एक हफ्ते पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि रिचर्ड ग्रेनेल से मुलाकात की थी। ग्रेनेल ने इमरान खान की गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न करार देते हुए उनकी रिहाई की मांग दोहराई थी। ग्रेनेल ने एक्स पर लिखा था- कैलिफोर्निया (सुलेमान और कासिम) में आपका स्वागत है। सुलेमान और कासिम, आपको मजबूत रहना होगा। दुनिया भर में लाखों लोग राजनीतिक उत्पीड़न से तंग आ चुके हैं। आप अकेले नहीं हैं। यह पहली बार नहीं था जब ग्रेनेल ने इमरान खान का समर्थन किया हो। पहले भी उन्होंने कहा था कि ट्रम्प सरकार के दौरान, जब इमरान खान पाकिस्तान के पीएम थे, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच बेहतर रिश्ते थे। इमरान बोले- मुझे कुछ हुआ तो सेना प्रमुख मुनीर जिम्मेदार इमरान खान कुछ दिन पहले कहा था कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार सेना प्रमुख आसिम मुनीर होंगे। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई के मुताबिक इमरान ने कहा कि हाल के दिनों में जेल में उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा व्यवहार बढ़ गया है।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी के सेल में टेलीविजन भी बंद कर दिया गया है और कैदियों के बुनियादी मानवाधिकार नहीं दिए जा रहे। इमरान खान ने कहा- दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है। मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, लेकिन वे चाहे कुछ भी करें, मैंने कभी भी उत्पीड़न के आगे घुटने नहीं टेके हैं - और न ही कभी झुकूंगा।

बुर्किना फासो में सैन्य अड्डे पर हमला, 50 सैनिकों की मौत : औगाडौगू, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में एक सैन्य अड्डे पर एक सशस्त्र समूह ने हमला कर दिया, जिसमें लगभग 50 सैनिक मारे गए। यह जानकारी मंगलवार को एक स्थानीय नेता और एक निवासी ने दी। इस हमले के लिए जमात नस्र अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) नाम के एक आतंकवादी समूह पर शक किया जा रहा है। हमला डार्गो नामक जगह पर सोमवार को हुआ, जो बौल्सा प्रांत में है।

दो लोग, जो सेना की प्रतिक्रिया से डर के कारण अपना नाम नहीं बताना चाहते थे, ने बताया कि हमले में लगभग 100 आतंकी शामिल थे। हमला करने के बाद आतंकियों ने अड्डे को जला दिया और वहां से सामान भी लूट लिया। सैन्य सरकार ने अभी तक इस हमले को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है।

डेमोक्रेट्स को अब जागने की जरूरत, अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी पर भड़के सीनेटर कोरी बुकर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूजर्सी से डेमोक्रेट सीनेटर कोरी बुकर मंगलवार को अमेरिकी संसद में अपनी ही पार्टी के सहयोगियों पर भड़क गए। बुकर ने सार्वजनिक तौर पर अपनी पार्टी के नेताओं को चेतावनी दी और कहा कि अब डेमोक्रेट्स को जागने की जरूरत है। बुकर ने पुलिस कार्यक्रमों को धन मुहैया कराने वाले कई द्विदलीय विधेयकों को पारित होने से रोक दिया। इस दौरान बुकर अपने दो डेमोक्रेटिक सहयोगियों पर गुस्से से चिल्लाए भी। बुकर ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेटिक झुकाव वाले राज्यों को कानून प्रवर्तन के लिए मिलने वाली फंडिंग को रोक रही है। किस बात पर नाराज हुए कोरी बुकर बुकर ने कहा कि अमेरिका में डेमोक्रेट्स के साथ अभी यही समस्या है। क्या हम डोनाल्ड ट्रंप के साथ मिलीभगत करने को तैयार हैं। मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और पुलिस अधिकारियों के लिए अन्य सहायता नामक विधेयकों को सीनेट में जबरदस्त द्वि-दलीय समर्थन मिला। मंगलवार को जब कॉर्टेज मास्टो ने सात द्विदलीय विधेयकों को सर्वसम्मति से पारित करने का प्रयास किया। इस पर कोरी बुकर ने उन सात में से पांच विधेयकों पर आपत्ति जताई, जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संसाधन प्रदान करते। उनका तर्क था कि ट्रंप प्रशासन न्यू जर्सी जैसे कई डेमोक्रेटिक-झुकाव वाले राज्यों में जन सुरक्षा अनुदानों को रद्द कर रहा है। सब राष्ट्रपति ट्रंप के सामने घुटने टेक रहे बुकर ने नाराज होते हुए हम राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीति में खेल रहे हैं और मेरे जैसे राज्यों के अधिकारियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। क्या हम इसे रोकने के लिए कुछ करेंगे? बुकर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी को जागने की ज़रूरत है!

22 डेमोक्रेटिक राज्यों ने ट्रंप प्रशासन पर दायर किया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे बड़े गर्भपात सेवा प्रदाता प्लान्ड पेरेंटहुड को मिलने वाली मेडिकेड फंडिंग में कटौती के खिलाफ 22 डेमोक्रेटिक राज्यों ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में किए गए खर्च में कटौती वाले फैसले के बाद उठाया गया है। इस कटौती के चलते कैंसर जांच, जन्म नियंत्रण, और यौन बीमारियों के इलाज जैसी सेवाओं को देने वाले संगठनों को एक साल के लिए मेडिकेड फंड नहीं मिलेगा। इसका मुख्य निशाना प्लान्ड पेरेंटहुड है, लेकिन इसका असर मेन राज्य के एक बड़े मेडिकल संस्थान पर भी पड़ा है। मुकदमा दायर करने वाले राज्यों का कहना है कि कानून की भाषा साफ नहीं है, जिससे यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये कटौती किन-किन संस्थाओं पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि ये कटौती प्लान्ड पेरेंटहुड को सजा देने जैसा है, क्योंकि वह गर्भपात की सुविधा और उसके अधिकार की वकालत करता है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है।

सऊदी अरब में विदेशी नागरिक भी प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे, मक्का-मदीना में मनाही रहेगी; ऑयल पर निर्भरता कम करना मकसद

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की सरकार ने विदेशी नागरिकों और कंपनियों के लिए अपने रियल एस्टेट मार्केट को खोलने का फैसला किया है। नया कानून जनवरी 2026 से लागू होगा। इसके तहत विदेशी इन्वेस्टर्स रियाद, जेद्दा और अन्य इलाकों में प्रॉपर्टी खरीद सकेंगे। यह कदम सऊदी अरब के विजन 2030 का हिस्सा है, जिसका मकसद ऑयल पर निर्भरता कम करना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। सऊदी कैबिनेट ने हाल ही में इस नए कानून को मंजूरी दी है, जिसे हाउसिंग मिनिस्टर माजिद बिन अब्दुल्लाह ने रियल एस्टेट सुधारों का अगला कदम बताया। उन्होंने कहा- यह कानून रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा और सऊदी शहरों को ग्लोबल इन्वेस्टर सेंटर बनाएगा।

विदेशी निवेशक 49प्रतिशत तक शेयर खरीद सकते हैं हालांकि, मक्का और मदीना जैसे पवित्र शहरों में प्रॉपर्टी खरीद पर प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन शहरों में सिर्फ मुस्लिम ही खास शर्तों के साथ संपत्ति खरीद सकते हैं। विदेशी निवेशक सऊदी स्टॉक एक्सचेंज (तदावुल) पर लिस्टेड रियल एस्टेट कंपनियों में 49प्रतिशत तक शेयर खरीद सकते हैं, जो मक्का और मदीना में प्रोजेक्ट्स डेवलप करती है। रियल एस्टेट जनरल अथॉरिटी 180 दिनों के भीतर उन इलाकों और नियमों की लिस्ट जारी करेगी, जहां विदेशी प्रॉपर्टी खरीद सकते

हैं। यह सुधार हज और उमराह जैसे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और 2030 तक 30 बिलियन डॉलर की इनकम के टारगेट को सपोर्ट करेंगे। सऊदी प्रिंस का प्रोजेक्ट है विजन 2030 सऊदी अरब का विजन 2030 सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था। इसका मकसद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में विविधता लाना और देश को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर मजबूत बनाना है। एमबीएसद लाइन नाम का शहर बसाना चाहते हैं विजन 2030 के तहत ही एमबीएस वीरान रेगिस्तान में एनईओएम नाम का एक नया शहर बसाना चाहते हैं। प्रोजेक्ट के तहत द लाइन नाम का एक शहर बसाया जाएगा। यह एक कार-फ्री शहर होगा, जो सिर्फ 200 मीटर चौड़ा और 170 किमी लंबा होगा। बीबीसी के मुताबिक, साल 2030 तक इस प्रोजेक्ट का सिर्फ 2.4 किमी हिस्सा ही पूरा हो पाएगा। एनईओएम सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस पर सऊदी 40 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।

इस कैरेबियाई देश में समलैंगिक संबंध बनाना हुआ अपराधमुक्त, औपनिवेश काल का कानून खत्म हुआ

सेंट लूसिया, एजेंसी। पूर्वी कैरेबियाई सुप्रीम कोर्ट ने सेंट लूसिया में समलैंगिक संबंध बनाने को अपराधमुक्त कर दिया है और औपनिवेश काल के एक कानून को खत्म कर दिया है, जो समलैंगिक संबंधों को अपराध घोषित करता था। मंगलवार को दिए गए इस फैसले पर समलैंगिक और पूरे एलजीबीटीक्यू समुदाय ने खुशी जताई। शीर्ष अदालत ने औपनिवेशिक कानून को असंवैधानिक करार दिया।

गैर लाभकारी संगठन ने आदेश को उम्मीद की किरण बताया एक गैर लाभकारी संगठन रेज योर वॉइस सेंट लूसिया ने शीर्ष अदालत के इस फैसले की जमकर तारीफ की और इसे पूर्वी कैरेबियाई क्षेत्र में मानवाधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। संगठन ने कहा, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस तथा त्रिनिदाद और टोबैगो में मिली निराशा के बीच यह फैसला आशा की किरण है। इसने हमारे क्षेत्र की समानता के प्रति प्रतिबद्धता की परीक्षा ली। सेंट लूसिया के औपनिवेशिक काल के कानून में समलैंगिक यौन संबंधों के लिए 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने इस कानून को लागू नहीं किया, लेकिन कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषज्ञों का कहना था कि यह द्वीप के एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के लिए एक खतरा बना हुआ है।

पांच कैरेबियाई देशों में अभी भी समलैंगिक संबंध बनाना अपराध इस मामले में मदद करने वाले ब्रिटेन स्थित कानूनी संगठन, ह्यूमन डिग्निटी ट्रस्ट के अनुसार, इस प्रावधान का अस्तित्व ही मानवाधिकारों का उल्लंघन है और भेदभाव के और अधिक कृत्यों को बढ़ावा देना है। 2019 में, ईस्टर्न कैरिबियन अलायंस फॉर डायवर्सिटी एंड इक्वैलिटी ने एंटीगुआ और बारबुडा, बारबाडोस, ग्रेनाडा, सेंट किट्स एंड नेविस और सेंट लूसिया में ऐसे कानूनों के खिलाफ पांच कानूनी चुनौतियां दायर कीं। 2022 में, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा और सेंट किट्स एंड नेविस की अदालतों ने इन कानूनों को रद्द कर दिया।

अब सिर्फ पांच कैरिबियाई देश अभी भी समलैंगिक यौन संबंधों को दंडित करते हैं, जिनमें जमैका, ग्रेनाडा, गुयाना, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, और त्रिनिदाद और टोबैगो में इस साल की शुरुआत में एक अपील अदालत ने समलैंगिक यौन संबंधों को अपराधमुक्त करने वाले फैसले को पलट दिया था। हिंसक हमलों के बाद एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के सदस्य इन द्वीपों से भाग गए हैं।

भारतीय मूल के ब्रिटिश अर्थशास्त्री मेघनाद देसाई का निधन, हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य थे

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के ब्रिटिश अर्थशास्त्री और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड मेघनाद देसाई (85) का मंगलवार को निधन हो गया। परिवार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उन्होंने गुरुग्राम के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली।

उन्होंने 1965 से 2003 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र पढ़ाया। वे 1971 में लेबर पार्टी से जुड़े और जून 1991 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य बनाए गए। गुजरात में जन्मे देसाई भारत और ब्रिटेन के रिश्तों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते रहे। इनके प्रयासों के चलते लंदन के पार्लियामेंट स्क्वॉयर में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई। वे ?'मानव विकास सूचकांक' बनाने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थे। उन्होंने करीब 30 किताबें भी लिखीं। लॉर्ड देसाई को 2008 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। 10 जुलाई 1940 को गुजरात के वडोदरा शहर में जन्मे देसाई ने मुंबई विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बीए, एमए और 1960 में पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी की।

पाकिस्तानी बचाव दल फिर से घायल जर्मन पर्वतारोही को बचाने की कोशिश करेंगे : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर में एक ऊंचे पहाड़ पर चढ़ने के दौरान जर्मनी की एक महिला पर्वतारोही गंभीर रूप से घायल हो गई हैं और

वहीं फंसी हुई हैं। मंगलवार को जब अंधेरा हो गया, तो उन्हें बचाने की कोशिश रोकनी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि अब बुधवार सुबह दोबारा कोशिश की जाएगी। घायल महिला का नाम लॉरा डाहलमेयर है। वे ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं और 2017 में महिलाओं की बायथलॉन विश्व कप की विजेता भी रही हैं। सोमवार को वे पाकिस्तान की काराकोरम पहाड़ियों में लैला चोटी पर चढ़ने की कोशिश कर रही थीं, तभी एक हादसे में घायल हो गईं। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके के सरकारी प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने कहा कि बुधवार सुबह हेलीकॉप्टर की मदद से बचाव अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा।

पूर्व कनाडाई पीएम ट्रूडो संग दिखी अमेरिकी सिंगर केटी पेरी : साथ में डिनर किया

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर सिंगर केटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को हाल ही में एक साथ डिनर करते देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की मुलाकात सोमवार रात मॉन्ट्रियल के ले वायलोन रेस्तरां में हुई। वायरल हुए एक वीडियो में देखा गया कि केटी पेरी और ट्रूडो एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठे बातचीत कर रहे हैं। इन दिनों केटी पेरी कनाडा टूर पर हैं और उनकी परफॉर्मेंस ओटावा और मॉन्ट्रियल में हो रही है। यह मुलाकात उस वक्त हुई जब कुछ हफ्ते पहले ही केटी पेरी का अपने पुराने पार्टनर ऑरलैंडो ब्लूम से नौ साल पुराना रिश्ता टूट गया है। सुरक्षा में कई गार्ड भी तैनात थे यह डिनर एक प्राइवेट डेट जैसा लग रहा था, लेकिन दोनों अकेले नहीं थे। उनके साथ कई सुरक्षा गार्ड भी मौजूद थे जो उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सुरक्षा कर्मी पास की सीटों पर बैठे थे और शीशे की दीवार के जरिए निगरानी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक पेरी और ट्रूडो ने रेस्तरां में कई डिशेज लीं। इनमें लॉब्स्टर भी शामिल था, लेकिन दोनों ने कोई एल्कोहलिक ड्रिंक नहीं ली। डिनर के बाद दोनों को रेस्तरां के शेफ ने शुभकामनाएं दी। पेरी और ट्रूडो ने उन्होंने किचन में जाकर स्टाफ का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद भी किया। केटी पेरी और ऑरलैंडो ब्लूम का ब्रेकअप इस महीने की शुरुआत में केटी पेरी और हॉलीवुड एक्टर ऑरलैंडो ब्लूम ने अपने ब्रेकअप की आधिकारिक जानकारी दी थी। एक साझा बयान में कहा गया कि दोनों अब अपनी 4 साल की बेटी डेजी डव की परवरिश पर फोकस करना चाहते हैं। बयान में कहा गया कि ऑरलैंडो और केटी बीते कुछ

महीनों से अपने रिश्ते को को-पैरेंटिंग की दिशा में मोड़ रहे हैं, ताकि उनकी बेटी को बेहतर परवरिश मिल सके।

इमरान खान की पार्टी ने शहरों में सेना तैनात करने के फैसले का विरोध किया : इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की खैबर पख्तूनख्वा इकाई ने सोमवार को पेशावर और दूसरे शहरों में सेना तैनात करने के संघीय सरकार के फैसले का विरोध किया है। पीटीआई इस समय खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभा में सत्ता में है। पार्टी के नेताओं ने एक बैठक में कहा कि सरकार का यह कदम गलत है और इसका मकसद लोगों की आजादी को छीनना और राजनीतिक विरोध को दबाना है। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में कहा गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड केस में RBL बैंक के 8 कर्मचारी सस्पेंड

रैकेट का भंडाफोड़ होने की भनक लगते ही मुख्य सूत्रधार फरार

2 डिप्टी मैनेजर समेत 8 आरोपी पुलिस रिमांड पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में हाल ही में सामने आए 1550 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड केस ने पूरे बैंकिंग क्षेत्र को हिला कर रख दिया है। उधना पुलिस द्वारा RBL बैंक की तीन शाखाओं से कुल 8 कर्मचारियों को ऑनलाइन ठगी के मामले में गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद बैंक प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से दो डिप्टी मैनेजर, एक एरिया हेड और पांच रिलेशनशिप ऑफिसर्स को सस्पेंड कर दिया है।

RBL बैंक के मुंबई मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई बैंक के आंतरिक प्रशासनिक कानूनों के तहत की गई है और इस संबंध में पूरी जानकारी आरबीआई को भी भेजी जा रही है। जिन कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें रिलेशनशिप ऑफिसर के तौर पर कार्यरत मंसी छगन गोटी, कल्पेश कांती कथेरिया, आशीष अशोक धड़िया, अनिल प्रवीन जानी और नरेश मनसुख मनानी शामिल हैं। इसके अलावा, ऑपरेशन कम डिप्टी मैनेजर अरुण बाबू घोघारी, एरिया हेड अमित फुलचंद गुप्ता और डिप्टी मैनेजर कल्पेश सोमजी काकड़िया की भी गिरफ्तारी हुई है।

RBI को इन सभी आरोपियों का पैनकार्ड और अपराध की पूरी जानकारी अपलोड की जा रही है, ताकि ये भविष्य में किसी भी बैंक या कॉर्पोरेट कंपनी में नौकरी न पा सकें।

इस केस में दिव्येश चक्राणी और वृंदा जादवाणी को मुख्य सूत्रधार माना जा रहा है, जो फिलहाल दुबई भाग चुके हैं। इनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है।

गौरतलब है कि जब रैकेट के भंडाफोड़ की भनक लगी, तो रिलेशनशिप ऑफिसर अनिल प्रवीन जानी ने बैंक से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन फिर भी उसकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों की तलाश जारी है।

पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि गिरफ्तार सभी 8 बैंक कर्मचारियों की इस पूरे फ्रॉड में सीधी संलिप्तता थी। इन कर्मचारियों ने नियमों को दरकिनार कर आरोपी व्यक्तियों को फर्जी करेंट अकाउंट खोलकर दिए। वे जानते थे कि आरोपी फर्जी सेटअप बनाकर खाते खुलवाना चाहते हैं, इसके बावजूद उन्होंने सहयोग किया।

164 फर्जी करेंट अकाउंट, 1550 करोड़ का ट्रांजेक्शन

जांच में सामने आया है कि इस घोटाले में 164 फर्जी करेंट अकाउंट का उपयोग हुआ और इनमें कुल 1550 करोड़ रुपये का लेन-देन किया गया। ये ट्रांजेक्शन देशभर के 50 लाख से अधिक सेविंग और करेंट अकाउंट से जुड़े थे, जिनमें से कई ट्रांजेक्शन सट्टेबाजी, ऑनलाइन गेमिंग और साइबर फ्रॉड से जुड़े थे।

बैंक के नियमों के मुताबिक, करेंट अकाउंट खोलने की प्रक्रिया में आवेदक से सीधा संपर्क और दस्तावेजों की जांच शामिल होती है, लेकिन गिरफ्तार बैंक कर्मचारियों ने आवेदकों से कोई संपर्क नहीं किया और सीधे आरोपियों से बात कर खाते खोल दिए। यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। इस साइबर फ्रॉड केस की जांच के लिए उधना पुलिस स्टेशन में विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है। साथ ही, फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स की मदद से मनी ट्रेल की भी जांच की जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी और बैंक कर्मचारी नियमित रूप से चैट के जरिए संपर्क में रहते थे, जहां वे दस्तावेज साझा करते थे, गलतियों को ठीक करते थे और यहां तक कि बिना किसी वैध दस्तावेज के भी खाता खोलने की प्रक्रिया पूरी करते थे।

पुलिस अब इन 50 लाख खातों की गहराई से छानबीन कर रही है कि इनमें से कितने सामान्य हैं और कितने संदिग्ध ट्रांजेक्शन में शामिल रहे हैं। इस मामले से साइबर क्राइम के एक बड़े नेटवर्क में बैंकिंग सेक्टर के भ्रष्ट तत्वों की भूमिका भी उजागर हुई है। आगे की जांच में और भी बड़े खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

28.65 लाख के MD ड्रग्स के साथ एक गिरफ्तार

ड्रग्स और कोरेक्स सिरप केस में आपराधिक इतिहास वाले कामिल ने की थी सप्लाई, 279.9 ग्राम ड्रग्स

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सलाबतपुरा पुलिस ने उमरवाड़ा इलाके से मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स की बड़ी खेप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 27,99,000 रुपये की कीमत वाले 279.9 ग्राम MD ड्रग्स, 36,650 रुपये नकद, 30,000 रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन और अन्य सामग्री समेत कुल 28,65,650 रुपये का माल जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।

आरोपी को यह ड्रग्स कामिल नाम के एक व्यक्ति ने सप्लाई की थी, जिसके खिलाफ पहले से ही स्ख्र ड्रग्स और कोरेक्स सिरप से संबंधित मामलों में सलाबतपुरा थाने में शिकायत दर्ज है।

DCP भगीरथ गढ़वी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहम्मद असलम नामक व्यक्ति के पास स्ख्र ड्रग्स की बड़ी मात्रा है और वह उमरवाड़ा इलाके में रहता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित छापा मारा और मोहम्मद असलम उर्फ मारियो को गिरफ्तार किया। उसके पास से 279.9 ग्राम MD ड्रग्स बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 27,99,000 रुपये आंकी गई है। ड्रग्स के अलावा नकद और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि मोहम्मद असलम उर्फ मारियो ने यह ड्रग्स कामिल से मंगवाया था, जो पहले से ही ड्रग्स के मामलों में आरोपी है। पुलिस ने कामिल को वॉन्टेड घोषित कर दिया है और उसकी तलाश की जा रही है।

DCP गढ़वी ने आगे कहा कि इस केस में जो भी व्यक्ति शामिल होगा, उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस इस ड्रग्स नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने के लिए गहन जांच कर रही है।

वडोद में 15 लाख लीटर की पानी की टंकी खतरनाक हालत में

ढहने की कगार पर है ओवरहेड टंकी, फिर भी नगर निगम की कार्यवाही में लापरवाही

जल समिति अध्यक्ष ने मरम्मत कार्य शुरू होने का दावा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वडोद इलाके में स्थित 15 लाख लीटर की ओवरहेड पानी की टंकी की वर्तमान स्थिति बेहद चिंताजनक और खतरनाक है। टंकी की हालत ऐसी है कि वह किसी भी वक्त ढह सकती है। इस टंकी से क्षेत्र की जल आपूर्ति होती है, ऐसे में इसकी तत्काल मरम्मत की जरूरत है, वरना आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हो सकता है।

साल 2015 में टी.पी. स्कीम-71 के तहत वडोद क्षेत्र में इस ओवरहेड टंकी का निर्माण किया गया था। अब टंकी के चारों ओर से सीमेंट की परतें झड़ चुकी हैं और लोहे की सरिए (स्लैब) बाहर दिखाई दे रहे हैं। टंकी के ऊपरी हिस्से की छत इतनी कमजोर हो चुकी है कि उस पर चलना भी खतरनाक हो गया है। पूरी टंकी मानो लकड़ी के सहारे खड़ी हो ऐसी स्थिति प्रतीत होती है। आसपास के रहवासियों में इस हालात को लेकर भारी डर व्याप्त है।

इस स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर टंकी गिरती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम इस गंभीर मुद्दे को लेकर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरत रहा है और टंकी की जर्जर स्थिति पर समय रहते जरूरी कदम नहीं उठा रहा है।

सूरत नगर निगम जल समिति के चेयरमैन हिमांशु राहुलजी ने बताया कि वडोद क्षेत्र में स्थित इस ओवरहेड टंकी की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है और संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए काम को तेजी से पूरा किया जाएगा।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए और टंकी के सभी हिस्सों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो।

अग्रवाल विद्या विहार कॉलेज वेसू में, "आरंभ" कार्यक्रम का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार अंग्रेजी कॉलेज में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए "आरंभ" कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें छात्रों का स्वागत किया गया। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को पुराने छात्रों के साथ घुलने-मिलने एवं महाविद्यालय के माहौल में ढलने का अवसर प्रदान करना था। आयोजन में मिस्टर और मिस फ्रेशर प्रतियोगिता सहित अनेकों गेम का आयोजन किया गया। आयोजन में छात्रों ने डी.जे. की धुन ओर डांस किया। आयोजन में अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के पदाधिकारी, महाविद्यालय के मुख्य सलाहकार डॉ. यू.टी.देसाई, प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतम दुआ सहित अनेकों छात्र उपस्थित रहें।

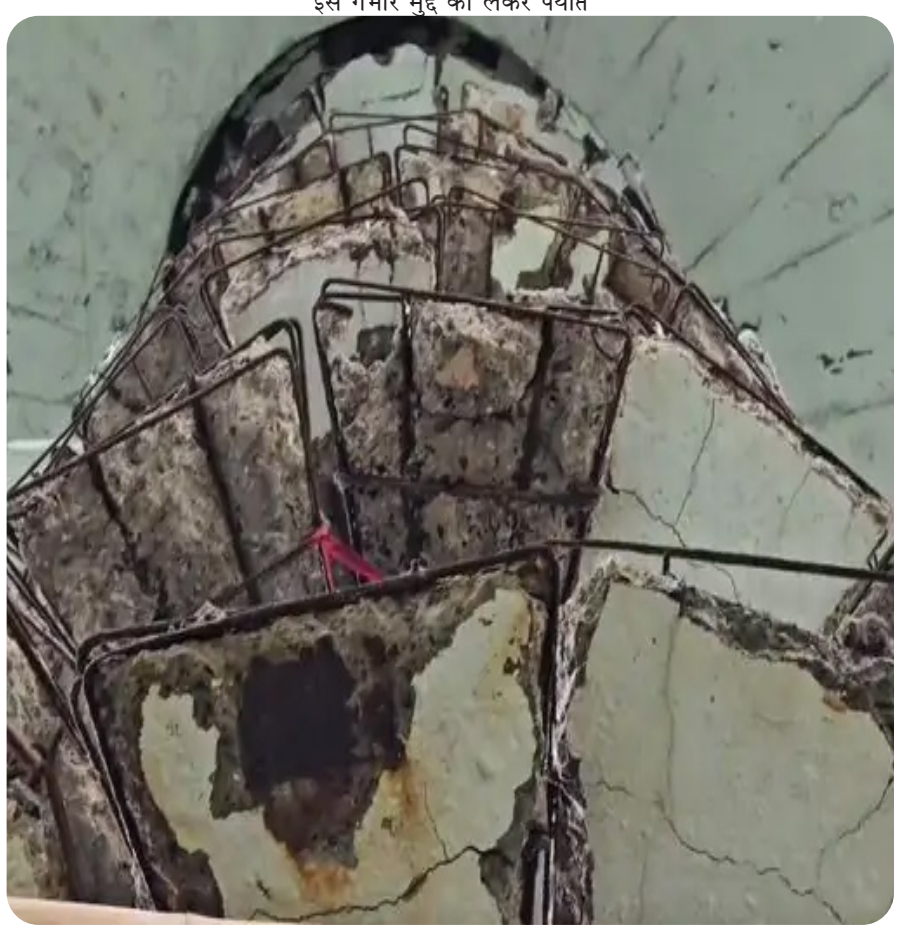

जयपुर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

>> वेस्ट वाटर मैनेजमेंट की तकनीक को समझा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,राजस्थान के जयपुर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सूरत महानगर पालिका के मेयर दक्षेश मवाणी के साथ बुधवार को पाँडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया। लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने दोनों का स्वागत किया। डॉ. सौम्या गुर्जर ने मिल की व्यवस्था को समझा। मिल में साफ़ सफ़ाई एवं वेस्ट वाटर मैनेजमेंट की तकनीक को समझा। जयपुर में चल रही प्रिंट की यूनिट में इसे कैसे लागू किया जाये आदि को अच्छे से समझा। इस अवसर पर शेखावाटी राजस्थानी समाज के प्रमोद पोद्दार, संजय जालान, हिमांशु मित्तल, विक्रम सिंह शेखावत, विजय चौमाल, दिनेश राजपुरोहित सहित अनेकों गणमान्य लोगों ने उनका सम्मान किया।

व्यापारी ने ससुराल पक्ष पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

रिंग रोड पर टेक्सटाइल व्यवसायी के साथ जमीन के सौदे के बहाने 90 लाख की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रिंग रोड पर टेक्सटाइल का व्यवसाय करने वाले वेसु क्षेत्र के एक व्यापारी के साथ जमीन के सौदे के बहाने 90 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। यह गंभीर आरोप व्यापारी ने अपने ससुर लोकनाथ गंभीर और उनके परिवार पर लगाया है। इस संबंध में व्यापारी गौरवकुमार मदनलाल जुनेजा ने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह गंभीर आरोप व्यापारी ने अपने ससुर लोकनाथ गंभीर और उनके परिवार पर लगाया है।